वर्ष : 33 » अंक : 102 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, शुक्रवार, 28 जून 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महाराष्ट्र का आर्थिक सर्वेक्षण पेश : आर्थिक वृद्धि दर 2023-24 में 7.6 फीसदी रहने की उम्मीद

आज आएगा बजट

अमित बृज | मुंबई

आज महाराष्ट्र राज्य का बजट पेश किया जाएगा। बजट से पूर्व महाराष्ट्र के आर्थिक सर्वेक्षण में चालू वित्त वर्ष की अर्थव्यवस्था में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना जताई गई है, जो देश की अनुमानित वृद्धि 7.6 प्रतिशत के समान है। इसी तरह कृषि और संबद्ध गतिविधियों के क्षेत्र में 1.9 प्रतिशत और उद्योग क्षेत्र में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि सेवा क्षेत्र में 8.8 प्रतिशत का विस्तार दर्ज होने की संभावना है।

जीएसडीपी 40,44,251 करोड़ रुपए होने का अनुमान

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार वित्त विभाग भी संभालते हैं। उन्होंने गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा मानसून सत्र में आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 पेश किया। राज्य के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार राज्य की अर्थव्यवस्था पिछले वर्ष के 6.8 प्रतिशत की तुलना में 7.6 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। 2023-24 के लिए मौजूदा कीमतों पर राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 40,44,251 करोड़ रुपए और वास्तविक 24,10,898 करोड़ रुपए होने का अनुमान लगाया गया है। अखिल भारतीय जीडीपी में राज्य का औसत हिस्सा सबसे अधिक 13.9 प्रतिशत है।

कुल अनुमानित व्यय 2,31,651 करोड़

जीएसडीपी में राजकोषीय घाटा 2.8 प्रतिशत है, जीएसडीपी में राजस्व घाटा 0.5 प्रतिशत है और जीएसडीपी में ऋण स्टॉक 17.6 प्रतिशत है। पिछले वित्त वर्ष में वार्षिक योजनाओं के लिए कुल अनुमानित व्यय 2,31,651 करोड़ रुपए है, जिसमें से 20,188 करोड़ रुपए जिला वार्षिक योजनाओं के लिए हैं। 2023-24 के लिए राजस्व प्राप्तियां 4,86,116 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 4,05,678 करोड़ रुपए थी।

महाराष्ट्र का राजस्व व्यय 5,05,647 करोड़

सर्वेक्षण के अनुसार दी गई अवधि में महाराष्ट्र का राजस्व व्यय 5,05,647 करोड़ रुपए है, जबकि पिछले वर्ष यह 4,07,614 करोड़ रुपए था। 2023-24 के लिए राज्य के प्राथमिकता वाले क्षेत्र के लिए वार्षिक ऋण योजना का आकार 6.51 लाख करोड़ रुपए है, जिसमें कृषि और संबद्ध गतिविधियों के क्षेत्र की हिस्सेदारी 25.9 प्रतिशत और सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम और खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र की हिस्सेदारी 55.6 प्रतिशत है।

कृषि पर पड़ी सूखे की मार

मध्य प्रदेश के बाद जैविक कृषि उत्पादन (27 प्रतिशत) में राज्य भारत में दूसरे स्थान पर है। जून 2022 तक प्रमुख, मध्यम और लघु परियोजनाओं द्वारा निर्मित महाराष्ट्र की सिंचाई क्षमता 55.60 लाख हेक्टेयर थी। सर्वेक्षण में कहा गया है कि 2022-23 के दौरान वास्तविक सिंचित क्षेत्र 42.33 लाख हेक्टेयर था। इसमें कहा गया है, खरीफ सीजन 2023 के दौरान कमी की स्थिति ने 15 जिलों के 40 तालुकाओं को प्रभावित किया। इसमें कहा गया है कि कुल मिलाकर 22.66 लाख हेक्टेयर कृषि और फलों की फसलें सूखे के कारण प्रभावित हुईं और 2,442.23 करोड़ रुपए का मुआवजा मंजूर किया गया। नवंबर 2023 और जनवरी 2024 के बीच 12.89 लाख हेक्टेयर प्रभावित क्षेत्र में 23.96 लाख किसानों को 2,277.9 करोड़ रुपए का मुआवजा मंजूर किया गया।

एफडीआई प्रवाह में शीर्ष पर महाराष्ट्र

राज्य की आर्थिक वृद्धि दर 2023-24 में 7.6 प्रतिशत रही। एक साल पहले 2022-23 में यह 6.8 प्रतिशत थी। समीक्षा के अनुसार, 2023-24 के लिए मौजूदा मूल्य पर राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) 40,44,251 करोड़ रुपए रहा जबकि वास्तविक मूल्य के आधार पर यह 24,10,898 करोड़ रुपए रहा। जीएसडीपी तय अवधि में राज्य की सीमाओं के भीतर उत्पन्न वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को दर्शाता है। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, देश में एफडीआई प्रवाह के मामले में महाराष्ट्र शीर्ष पर बना हुआ है। 2022-23 के दौरान देश के कुल निर्यात में महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत रही।

फसलों के रकबे में कमी

राज्य में 2023 में मानसून के दौरान सामान्य वर्षा का 86.4 प्रतिशत बारिश हुई। 2023-24 के खरीफ सीजन में 155.64 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में बुआई हुई। इस सीजन में अनाज, दलहन, तिलहन और गन्ने के उत्पादन में क्रमशः 23 प्रतिशत, 10 प्रतिशत, 2 प्रतिशत और 17 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है। 2022-23 के दौरान कपास के उत्पादन में 3 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। 2023-24 के रबी सीजन के दौरान 58.60 लाख हेक्टेयर में बुआई पूरी हो गई। इसमें कहा गया है कि अनाज और दलहन के उत्पादन में क्रमशः 5 प्रतिशत और 4 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है, जबकि तिलहन के उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 13 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। बागवानी के तहत रकबा 22.40 लाख हेक्टेयर और उत्पादन 327.80 लाख मीट्रिक टन होने की उम्मीद है। कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां क्षेत्र, जो राज्य की अर्थव्यवस्था का प्रमुख चालक है, जीएसडीपी में लगभग 12 प्रतिशत का योगदान देता है।

प्रति व्यक्ति आय में गुजरात से पीछे हुआ महाराष्ट्र :

देश में प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना जहां शीर्ष पर है तो वहीं महाराष्ट्र छठें स्थान पर खिसक गया है, इसमें सामने आया है कि गुजरात महाराष्ट्र से आगे है। महाराष्ट्र आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में सामने आया है कि राज्य प्रति व्यक्ति आय में छठवें नंबर पर है। महाराष्ट्र में प्रति व्यक्ति की आय 2,52,389 रुपए बताई गई है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना पहले नंबर पर है तो वहीं दूसरी नंबर पर कर्नाटक और फिर हरियाणा है। महाराष्ट्र के गुजरात के पीछे खिसकने पर महाविकास आघाडी की तरफ से मुद्दा बनाया जा सकता है। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि 2021-22 में बड़े उछाल के बाद महाराष्ट्र का विकास इंजन धीमा हो गया। यह स्लाइडिंग मोड पर है।

न्यूज़ ब्रीफ

70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मिलेगा मुफ्त इलाज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही आयुष्मान भारत योजना के तहत अब 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को संसद के दोनों सदनों को संबोधित करते हुए यह बात कही। राष्ट्रपति अभिभाषण के जरिए केंद्र सरकार के कार्यक्रमों और नीतियों की रूपरेखा बता रही थीं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) के तहत 55 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। (पेज 8 भी देखें)

बैंकों का कुल फंसा कर्ज कई साल के निचले स्तर पर आया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली मजबूत एवं जुझारू बनी हुई है क्योंकि सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (जीएनपीए) अनुपात मार्च 2024 के अंत में कई साल के निचले स्तर 2.8 प्रतिशत पर आ गया है। आरबीआई ने गुरुवार को जून की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का जीएनपीए अनुपात कई वर्षों के निचले स्तर 2.8 प्रतिशत पर आ गया, जबकि शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनएनपीए) अनुपात मार्च, 2024 के अंत में 0.6 प्रतिशत रहा।

मुठा नदी के तट के हरित पट्टी क्षेत्र में व्यावसायिक निर्माण करने वालों को राहत नहीं

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट से पुणे के मुठा नदी के तट पर हरित पट्टी क्षेत्र में व्यावसायिक निर्माण करने वालों को राहत नहीं मिली। अदालत ने 18 व्यवसायिकों की याचिका को खारिज करते हुए उन पर अवैध निर्माण करने के लिए 25-25 हजार रुपए प्रत्येक को जुर्माना लगाया है। उन्हें जुर्माने की राशि पुणे महानगरपालिका (पीएमसी) को देने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ताओं ने पीएमसी के मुठा नदी के तट के हरित पट्टी क्षेत्र पर विवाह हॉल, गोदाम, रेस्तरां और गैरेज समेत व्यवसायिक निर्माण के खिलाफ नोटिस जारी कर तोड़क कार्रवाई पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति एम.एस.सनक और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ ने पुणे के व्यवसायियों की ओर से वकील अजिंक्य उदाने की दायर याचिका पर सुनवाई हुई।

नीट पेपर लीक मामला

महाराष्ट्र सरकार भी सीबीआई को सौंपेगी जांच

नितिन तोरस्कर | मुंबई

महाराष्ट्र के लातूर में हुए NEET पेपर लीक केस की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) को सौंप दी गई है। यह मामला तब सामने आया जब NEET परीक्षा का पेपर लीक हो गया और यह खबर पूरे राज्य में फैल गई। स्थानीय पुलिस ने इस मामले में प्रारंभिक जांच की, लेकिन मामले की गंभीरता और व्यापकता को देखते हुए इसे CBI को ट्रांसफर करने का निर्णय लिया गया। नवी मुंबई में CBD बेलापुर स्थित DY पाटिल यूनिवर्सिटी के सेंटर पर भी NEET परीक्षा में एक डमी कैंडिडेट बैठने का मामला सामने आया था। इस साल मई महीने में हुई इस घटना में राजस्थान की 20 साल की एक सेकंड ईयर की छात्रा ने जलगांव की एक परीक्षार्थी के बदले परीक्षा दी थी। इस मामले में भी CBI को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

घटना का खुलासा

परीक्षा के दौरान, आधार नंबर और बॉयोमैट्रिक वेरिफिकेशन के समय डमी कैंडिडेट की जानकारी असली परीक्षार्थी से मेल नहीं खा रही थी। शुरुआत में सेंटर इंचार्ज को यह तकनीकी खराबी का मामला लगा, लेकिन परीक्षा के बाद जब दोबारा वेरिफिकेशन किया गया, तो वही परिणाम आया। पूछताछ के बाद छात्रा ने स्वीकार किया कि वह एक डमी कैंडिडेट है और जलगांव के एक विद्यार्थी के बदले परीक्षा देने आई है।

छात्रा का खुलासा और परिस्थितियां

इस मामले में 20 साल की छात्रा ने आगे खुलासा किया कि उसके पिता की नौकरी चली गई थी और परिवार को पैसों की सख्त जरूरत थी। इसी कारण उसने यह कदम उठाया। एक व्यक्ति उसे राजस्थान से नवी मुंबई लेकर आया था और परीक्षा केंद्र के बाहर उसका इंतजार कर रहा था लेकिन जब पुलिस की हलचल देखी, तो वह व्यक्ति वहां से भाग गया।

पुलिस कार्रवाई और CBI की भूमिका

इसके अलावा आपको बता दें कि इस मामले में पुलिस ने 20 साल की डमी परीक्षार्थी को गिरफ्तार नहीं किया था, लेकिन मामला दर्ज कर लिया था। अब इस मामले की जांच भी CBI को सौंप दी गई है। CBI दोनों मामलों की जांच करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि दोषियों को कानून के तहत उचित सजा मिले।

आइसक्रीम में उंगली मिलने के मामले में बड़ा खुलासा

दोपहर संवाददाता | मुंबई

आखिरकार यम्मो आइसक्रीम में मिली कटी उंगली किसकी थी? अब इस रहस्य से पर्दा उठ गया है। मुंबई के एक डॉक्टर को हाल ही में आइसक्रीम कोन में इंसान की उंगली मिली थी। इस मामले की जांच कर रही पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, आइसक्रीम में कटी हुई उंगली और किसी की नहीं बल्कि आइसक्रीम बनाने वाली फैक्ट्री के एक कर्मचारी की ही है। डीएनए टेस्ट में सैंपल भी मैच हो गया है।

क्या है मामला?

दो हफ्ते पहले मुंबई के मलाड इलाके में एक डॉक्टर को यम्मो आइसक्रीम ब्रांड के बटरस्कॉच कोन आइसक्रीम के अंदर इंसान की उंगली मिली थी। डॉक्टर ऑर्लेम ब्रैडन सेराओ (26) ने इसको लेकर मलाड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। एक अधिकारी ने बताया कि ऑनलाइन ऑर्डर की गई आइसक्रीम में मांस का टुकड़ा मिलने की शिकायत के बाद जांच शुरू की गई। यम्मो आइसक्रीम कंपनी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 272, 273 और 336 के तहत मामला दर्ज किया गया। साथ ही जांच के लिए कथित उंगली को फोरेंसिक लैब भेजा गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि यम्मो आइसक्रीम बनाने वाली पुणे की फैक्ट्री में काम करने वाले एक कर्मचारी को कुछ दिन पहले एक दुर्घटना में उंगली में चोट लगी थी। इसके साथ ही यह भी पता चला है कि जिस आइसक्रीम में उंगली का टुकड़ा मिला, वह दुर्घटना वाले दिन ही पैक की गई थी। पुलिस ने डीएनए टेस्ट के लिए उस कर्मचारी के सैंपल लैब में भेजे थे।

मच्छरों से निपटने के लिए मुंबई मनपा ने विदेशी कीटनाशक मंगाया

मुंबई। बारिश की दस्तक के साथ ही मुंबई में मानसूनी बीमारी मलेरिया और डेंगू का प्रकोप शुरू हो जाता है। इस बार मुंबई मनपा ने इन बीमारियों को फैलानेवाले मच्छरों की रोकथाम के लिए जापान से विशेष कीटनाशक केमिकल आयात किया है। इस केमिकल के ट्रायल टेस्ट कारगर रहा है। बीते वर्ष मलेरिया के 7 हजार और डेंगू के 5,500 से ज्यादा मरीज मिले थे। इस वर्ष तो सिर्फ 6 महीनों में ही मलेरिया के 2,400 से अधिक और डेंगू के 381 मरीज मिल चुके हैं। हालांकि मलेरिया और डेंगू बीमारी की रोकथाम के लिए मनपा कीटनाशक विभाग इन बीमारियों के वाहक मच्छरों की रोकथाम के लिए विभिन्न उपाय योजना शुरू कर देती है। इसी कड़ी में इस बार इन मच्छरों की रोकथाम के लिए मनपा कीटनाशक विभाग ने जापान से केमिकल आयात किया है। साइफेनोथ्रिन नामक केमिकल मनपा ने जापान की सुमिटोमो केमिकल कंपनी से मंगाया किया है। मनपा कीटनाशक विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि करीब 4,500 लीटर केमिकल आयात किया गया है जो करीब तीन से चार महीने तक चलेगा। मुंबई में रोजाना 1800 लीटर का इस्तेमाल किया जाता है।

विपक्ष की नीट के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी

संसद में पूरी आक्रामकता के साथ अपनी बात रखेगा विपक्ष

धीरज सिंह | नई दिल्ली

18वीं लोकसभा में बदले समीकरण के बाद विपक्ष सरकार को कोई रियायत देने के मूड में नहीं है। इंडिया गठबंधन ने तय किया है कि वह संसद के दोनों सदनों में आक्रामक रुख अपनाएंगे और जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इस कड़ी में इंडिया गठबंधन शुक्रवार को संसद में नीट का मुद्दा उठाएगा।

खरगे की अध्यक्षता में इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में गुरुवार शाम इंडिया गठबंधन की बैठक हुई। इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार, आप के नेता संजय सिंह और शिवसेना सहित कई अन्य घटकदलों के नेता शामिल हुए। इसके बाद राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता हनुमान बेनीवाल ने कहा कि विपक्ष शुक्रवार को नीट का मुद्दा उठाएगा। इंडिया गठबंधन की बैठक में पहले सत्र में विपक्ष की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। विपक्ष ने तय किया है कि वह नीट, अग्निवीर, महंगाई, बेरोजगारी, एमएसपी और जांच एजेंसियों के दुरुपयोग पर सरकार को घेरेगा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान भी विपक्षी नेताओं के भाषण इन मुद्दों के इर्द-गिर्द रहेंगे। इस कड़ी में शुक्रवार को नीट पर चर्चा की मांग की जाएगी।

राहत

अब बिल्डरों को 1 जुलाई से एक ही बैंक में 3 अलग-अलग खाते खोलना अनिवार्य, महारेरा ने जारी किया नया सर्कुलर

घर खरीदारों का पैसा होगा ज्यादा सुरक्षित

दीपक पवार | मुंबई

महाराष्ट्र में डेवलपर्स, घर खरीदारों का पैसा अलग-अलग बैंक अकाउंट में डिपॉजिट नहीं कर पाएंगे। अब MahaRERA ने डेवलपर्स को कुछ निश्चित बैंक अकाउंट्स में खरीदारों के पैसे रखने का निर्देश दिया है, इसके चलते हाउसिंग कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स में वित्तीय अनुशासन, नियमों का पालन, पारदर्शिता, जवाबदेही सुनिश्चित हो पाएगी। इसके जरिए ऐसे घर खरीदारों को भी लाभ मिलेगा, जो बुकिंग रद्द करने की इच्छा रखते हैं। अब उन्हें अपने पैसे की वापसी के लिए दर-दर नहीं भटकना होगा।

डेवलपर्स को मेंटेन करने होंगे 3 खाते

महारेरा ने डेवलपर्स को आदेशित किया है कि वे एक ही बैंक में 3 खाते मेंटेन करें। इसमें पहला RERA डेसिग्नेटेड कलेक्शन अकाउंट होगा। जिसमें घर खरीदारों से मिले पैसे को रखा जाएगा। दूसरा खाता 'RERA डेसिग्नेटेड सेप्रेट अकाउंट' होगा, जिसमें प्रोजेक्ट की जमीन और निर्माण के लिए जुटाए गए पैसे के 70% हिस्से को रखा जाएगा। तीसरे खाता RERA डेसिग्नेटेड ट्रांजैक्शन अकाउंट होगा, जिसमें बचा हुआ 30% पैसा रखा जाएगा।

1 जुलाई से लागू होंगे फैसले

ये फैसले 1 जुलाई से लागू होंगे। ये नियम तमाम पक्षों के विचार, सुझाव, आपत्तियां सुनने और उनसे जानकारी लेने के बाद बनाए गए हैं। इस मौके पर महारेरा के चेयरमैन श्री अजॉय मेहता ने कहा, 'महारेरा घर खरीदारों में विश्वास का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसके लिए उन्हें कानूनी तौर पर सक्षम बनाया जाएगा, ताकि उनके निवेश की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। नए नियमों का उद्देश्य वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता को निश्चित करना है।' RERA डेसिग्नेटेड कलेक्शन अकाउंट और RERA डेसिग्नेटेड सेप्रेट अकाउंट को किसी भी सरकारी एजेंसी द्वारा अटैच किए जाने से कानूनी सुरक्षा मिली है। कुल मिलाकर इन फैसलों से फ्लैट खरीदारों का विश्वास बढ़ेगा और रियल एस्टेट सेक्टर की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। ग्राहक अनुभव को बेहतर करने के लिए महारेरा की तरफ से उठाया गया ये एक और कदम होगा।

क्या असर होगा?

दरअसल अब तक डेवलपर्स पैसा लेकर अलग-अलग बैंक अकाउंट में जमा करते थे। जैसे बुकिंग अमाउंट किसी अलग बैंक खाते में जाएगी, जबकि अमेनिटीज और इंफ्रास्ट्रक्चर के और अन्य काम के लिए दूसरे खातों का उपयोग किया जाता था। अब नए नियमों के बाद ये चीज बंद हो जाएगी। वहीं एक से ज्यादा प्रोमोटर वाले प्रोजेक्ट्स में RERA डेसिग्नेटेड मास्टर अकाउंट खोलने की भी सहूलियत होगी, जिसमें सभी घर खरीदारों से मिले पैसे को रखा जाएगा। Real Estate (Regulation and Development) Act, 2016 के सेक्शन 4(2)(i)(D) में बैंक खातों से जुड़ा प्रावधान है। इसके जरिए पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और लेनदेन पर बेहतर निगरानी सुनिश्चित की जाती है। दरअसल अब जब पैसे लेने, खर्च और रिफंड के लिए अलग-अलग अकाउंट होंगे, तो डेवलपर्स पैसे की कमी का बहाना बनाकर बुकिंग अमाउंट वापस करने से नहीं बचेंगे। बता दें फ्लैट की बुकिंग रद्द करने की दशा में कई मौकों पर खरीदारों को शिकायत दर्ज करने, सुनवाई में जाने, आदेश लेने या फिर रिकवरी वारंट इश्यू कराने के लिए डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को जरूरी दस्तावेज भेजने होते थे, जिसमें काफी वक्त लगता था। ये पूरी प्रक्रिया नई नियमों से बहुत छोटी हो जाएगी, क्योंकि डेवलपर के पास रिफंड करने और घर खरीदार को मुआवजा देने के लिए संबंधित फंड्स में पैसा उपलब्ध होगा। चूंकि अब बैंक डिटेल्स और फंड्स की जानकारी उपलब्ध होगा, ऐसे में MahaRERA के पास संबंधित अकाउंट से रिकवरी के निर्देश देने की सहूलियत होगी।

एमएससीबी घोटाला

मुंबई पुलिस ने ईडी की हस्तक्षेप याचिका का किया विरोध

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पुलिस ने बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस अर्जी का विरोध किया जिसमें पुलिस की महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) में हुए कथित 25 हजार करोड़ रुपए के घोटाले की जांच बंद करने के लिए दाखिल रिपोर्ट के मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया है।

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने इस मामले में मूल प्राथमिकी दर्ज की थी और मौजूदा उपमुख्यमंत्री अजित पवार को बतौर आरोपी नामजद किया था। लेकिन बाद में ईओडब्ल्यू ने कहा कि शीर्ष सहकारी बैंक को कथित घोटाले से कोई नुकसान नहीं हुआ है।

दूसरी बार मामला बंद करने की अर्जी

ईओडब्ल्यू ने बृहस्पतिवार को दाखिल लिखित जवाब में कहा कि ईडी की ओर से इसी तरह की हस्तक्षेप अर्जी पूर्व में सांसदों और विधायकों के मामले में दाखिल की गई थी, जिसे विशेष अदालत खारिज कर चुकी है। उसने कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने उन्हीं बिंदुओं के आधार पर नए सिरे से अर्जी दाखिल की है।

ईओडब्लू ने दूसरी बार मामले को बंद करने की दी है अर्जी

कथित घोटाले की जांच कर रही ईओडब्ल्यू ने सबसे पहले मामले को बंद करने की अर्जी सितंबर 2020 में दाखिल की थी जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया था। लेकिन जांच एजेंसी ने अक्टूबर 2022 में अदालत को सूचित किया कि वह शिकायतकर्ता और ईडी द्वारा दाखिल आपत्ति अर्जी में उठाए गए बिंदुओं पर आगे की जांच कर रही है। इस साल मार्च में ईओडब्ल्यू ने यह कहते हुए फिर से मामले को बंद करने का अनुरोध किया कि कथित धोखाधड़ी के कारण बैंक को कोई अनुचित नुकसान नहीं हुआ।

क्या है ईओडब्लू रिपोर्ट में?

ईओडब्लू की मामले को बंद करने के लिए दाखिल रिपोर्ट में कहा गया है कि सहकारी आयुक्त द्वारा अधिकृत अधिकारी के रूप में नियुक्त एक पूर्व न्यायाधीश ने निष्कर्ष निकाला कि 'कारखानों (चीनी मिलों) को दिए गए ऋणों के कारण बैंक को कोई नुकसान नहीं हुआ, और बैंक कानूनी तरीकों से कारखानों से राशि वसूल रहा था।'इस मामले से जुड़े धनशोधन के आरोपों की जांच कर रही ईडी ने हाल ही में अदालत का रुख किया और पुलिस द्वारा मामले को बंद करने के लिए दाखिल रिपोर्ट में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि उसका मामला ईओडब्ल्यू की प्राथमिकी पर आधारित है और उसने जांच के बाद मुख्य अभियोजन शिकायत (आरोप पत्र) और दो पूरक आरोप पत्र दाखिल किए हैं।

अवैध बार और पब को ध्वस्त करने का अभियान शुरू

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे नगर निगम ने बृहस्पतिवार को अवैध बार और पब गिराने के लिए अभियान शुरू किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक दिन पहले ही पुणे में इसी तरह के एक प्रतिष्ठान में कथित तौर पर नशीली दवाओं के सेवन की घटना के मद्देनजर इस आशय के निर्देश दिए थे। एक अधिकारी ने बताया कि दोपहर तक

मुख्यमंत्री ने ठाणे मनपा को दिया था निर्देश

ठाणे नगर निगम (टीएमसी) ने शहर के विभिन्न इलाकों में कम से कम पांच ऐसे अवैध बार और पब को ध्वस्त कर दिया।

क्या है मामला ?

ठाणे और उससे सटे मीरा भयंदर नगर निगम और वहां के पुलिस आयुक्तों को बुधवार को भी इसी तरह का निर्देश जारी किये गये थे कि वे अपने क्षेत्राधिकार में सभी अवैध बार, पब और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी गतिविधियों में शामिल संपत्तियों को बुलडोजर चलाकर धवस्त कर दें। ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के आयुक्त सौरभ राव की मौजूदगी में अवैध बार और पब को गिराने का काम शुरू किया गया। ठाणे नगर निगम के प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार यह अभियान पूरे शहर में जारी रहेगा। ठाणे में अवैध बार और पब को गिराने की कार्रवाई के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। बुलडोजर और जेसीबी मशीनें कार्रवाई में लगी हुई हैं। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि मादक पदार्थों के सेवन से युवा पीढ़ी पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है और इसे रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने की जरूरत है।

विधान परिषद चुनाव

आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज

अंबरनाथ। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक महिला के खिलाफ आचार संहिता के कथित उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अंबरनाथ थाने के एक अधिकारी ने बताया कि महिला

मतपत्र के साथ महिला ने लिया था 'सेल्फी'

पर बुधवार को महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में मतदान के दौरान मतपत्र के साथ 'सेल्फी' लेने और उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करने का आरोप है।

मामले में जांच जारी

उन्होंने कहा, 'निर्वाचन अधिकारी की शिकायत के आधार पर हमने महिला के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। महिला को अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। मामले में जांच की जा रही है।' महाराष्ट्र विधान परिषद की मुंबई, कोंकण और नासिक क्षेत्रों की चार सीट के लिए बुधवार को मतदान हुआ था।

चॉल का कुछ हिस्सा गिरने से दो लोग घायल

ठाणे। ठाणे शहर में बुधवार देर रात दो मंजिला चॉल की गैलरी का कुछ हिस्सा गिरने से दो लोग घायल हो गए। नगर निगम के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) प्रमुख यासीन ताड़वी ने बताया कि यह घटना वागले एस्टेट के ज्ञानेश्वर नगर में रात करीब एक बजे हुई। उन्होंने बताया, ''विजय ढोके (27) और अनिकेत कांबले (24) गैलरी के नीचे थे तभी इस गैलरी का कुछ हिस्सा उनपर गिर गया। हादसे में दोनों बुरी तरह घायल हो गए, उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां उनका उपचार जारी है।'

दो कमरे क्षतिग्रस्त

ताड़वी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची स्थानीय अग्निशमन विभाग की टीम और आरडीएमसी के सदस्यों ने मलबा हटाया। उन्होंने कहा, 'घटना में चॉल के दो कमरे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मकान खाली करा लिया गया और वहां रहने वाले लोगों को अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया है। गैलरी का शेष हिस्सा भी गिरा दिया गया है।'

होटल मालिक की पिटाई मामला

पलावा सिटी मैनेजमेंट ने दी सफाई, सुरक्षा गार्डों को किया सस्पेंड

दोपहर संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली खोनी पलावा की हाई प्रोफाइल सोसायटी (पलावा सिटी मैनेजमेंट एसोसिएशन) में खाने पहुंचाने गए होटल संचालक की सुरक्षाकर्मीयों द्वारा पिटाई करने का मामला सामने आया था। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसके बाद काफी हंगामा भी हुआ। अब इस मामले पर पलावा सिटी मैनेजमेंट एसोसिएशन के तरफ से सफाई दी गई है। एसोसिएशन ने कहा कि पलावा सिटी मैनेजमेंट इस तरह के घटना का समर्थन नहीं करता है।

क्या कहा पलावा सिटी मैनेजमेंट एसोसिएशन ने ?

पलावा सिटी मैनेजमेंट एसोसिएशन के प्रवक्ता ने कहा कि पलावा सिटी मैनेजमेंट एसोसिएशन इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करता है। एसोसिएशन ने कहा कि मारपीट की घटना में शामिल सुरक्षा कर्मीयों को तत्काल प्रभाव से नौकरी से निकाल दिया गया है। हमारी टीम अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रही है। प्रवक्ता ने कहा कि पलावा सिटी मैनेजमेंट एसोसिएशन इस मामले की जांच में सभी आवश्यक सहायता करती रहेगी।

क्या है मामला ?

जानकारी के लिए बता दें कि जिस होटल मालिक (अभिषेक जोशी) को पिटा गया, वह पलावा सिटी के ही एक फ्लैट में रहता है। डोंबिवली के पास खोनी पलावा हाई प्रोफाइल सिटी में 22 जून की शाम को फुड की डिलीवरी देने आए व्यक्ति को सुरक्षाकर्मीयों ने अंदर प्रवेश करने से रोक दिया। पार्सल का लेकर अभिषेक अपने होटल के स्टाफ के साथ पलावा सिटी में आए। लेकिन जब अभिषेक ने अपने स्टाफ को अंदर जाने के लिए कहा। उस दौरान सुरक्षाकर्मीयों ने उसे अंदर जाने से रोक दिया। इस दौरान सुरक्षाकर्मी के कुछ साथी भी मौके पर आ गए और अभिषेक को गाली देने लगे। यही नहीं सुरक्षाकर्मी ने अपने साथीयों के साथ मिलकर अभिषेक को बेरहमी से पिटा। इस बीच, जिस महिला ने यह ऑर्डर किया था, वह भी बीच बचाव करने गई, लेकिन उसके बाद भी सिक्योरिटी गार्ड ने उसकी पिटाई कर दी। इस हमले में अभिषेक बूरी तरह से घायल हुआ है। मामले का शिकायत मानपाड़ा पुलिस थाने में की गई है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर BJP ने कसी कमर

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य के सियासी दलों ने अपनी तैयारियों को गति दे दी है। स्थानीय से लेकर केंद्रीय नेताओं तक सभी चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बनाने में जुट गए हैं। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने अपनी कमर कस ली है और अपनी-अपनी योजनाओं पर काम कर रहे हैं। बीजेपी ने अपने दो केंद्रीय प्रभारी, भूपेंद्र यादव और अश्विनी वैष्णव को महाराष्ट्र के दौरे पर भेजा है। यह दोनों नेता शुक्रवार से मुंबई में दो दिनों तक रहेंगे और मुंबई बीजेपी कोर कमेटी की बैठक लेंगे। इस दौरान वे लोकसभा चुनाव के परिणामों का विश्लेषण करेंगे

और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए महत्वपूर्ण रणनीति तैयार करेंगे। बीजेपी का मुख्य ध्यान चुनावी जीत पर है और इसी के तहत वे स्थानीय नेताओं से विचार-विमर्श करेंगे।

विधानसभा चुनाव की रणनीति

इसके साथ ही आपको बता दें कि दोनों प्रमुख पार्टियां विधानसभा चुनाव के लिए अपनी-अपनी रणनीतियों पर काम कर रही हैं। बीजेपी अपने केंद्रीय प्रभारियों के मार्गदर्शन में आगामी चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप दे रही है, जबकि कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति को मजबूत करने का प्रयास किया है। आगामी महीनों में दोनों पार्टियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है।

कांग्रेस की तैयारियों का मंथन

दूसरी ओर, कांग्रेस ने भी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र इकाई के नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर गहन चर्चा की गई। बैठक में संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले, प्रदेश प्रभारी रमेश चेन्निथला समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

महाराष्ट्र में बदलाव का संदेश

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक के बाद कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने लोकसभा चुनाव में बदलाव का स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं की सराहना की और उन्हें बधाई दी। खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने महाराष्ट्र को देश का सबसे समृद्ध और विकासशील राज्य बनाया था, लेकिन बीजेपी सरकार ने उद्योगों को चौपट कर दिया और जनता को बेरोजगारी और महंगाई के कुचक्र में धकेल दिया है।

किसानों और जनता के मुद्दों पर फोकस

आपको बता दें कि खरगे ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया कि उन्होंने किसानों के साथ सबसे ज्यादा अन्याय किया है। कांग्रेस ने किसानों, बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दों को अपने चुनावी अभियान का केंद्र बिंदु बनाने का फैसला किया है। पार्टी ने राज्य की जनता को धन्यवाद देते हुए भरोसा दिलाया कि वे उनके हितों के लिए हमेशा संघर्षरत रहेंगे।

प्रवक्ता सीट बंटवारे पर बात करने से पहले वरिष्ठों की लें अनुमति : सुनील तटकरे

दोपहर संवाददाता । मुंबई

राकांपा (अजित) प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने पार्टी के सभी प्रवक्ताओं को नोटिस जारी कर चेतावनी दी है कि महायुति में सीट बंटवारे पर बयान देने के समय पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से इजाजत लेकर ही बोलने को कहा है।

दरअसल अजित गुट के प्रवक्ताओं के बयानों के चलते महायुति में नाराजगी का माहौल पैदा हो गया था, जिसके बाद युति में तालमेल की कमी की खबरें सामने आने लगी थीं। तटकरे ने कहा कि विधानसभा में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा शुरू हो गई है लेकिन अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। इसलिए पार्टी ने सभी प्रवक्ताओं को नोटिस जारी कर सीट बंटवारे पर कोई भी बयान देने से पहले वरिष्ठ नेताओं से चर्चा करने के आदेश दिए हैं।

अजित गुट के प्रवक्ताओं के बयानों के चलते महायुति में था नाराजगी का माहौल

पिछले कुछ दिनों से महायुति में सीटों के बंटवारे को लेकर अजित गुट के नेताओं की ओर से बयानबाजी देखने को मिल रही थी। अजित गुट के प्रवक्ता अमोल मिटकरी ने तो अपनी पार्टी को 100 सीटों की देने की मांग की थी, जिसकी युति के दलों के नेताओं ने नाराजगी जताई थी। यही कारण है कि अजित गुट को इस तरह का नोटिस जारी करना पड़ा है। अजित गुट के मुख्य प्रवक्ता उमेश पाटील ने कहा कि पार्टी की ओर से उन्हें एक पत्र मिला है। उसे नोटिस नहीं कहा जा सकता है। पाटील ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष हमेशा पदाधिकारियों का मार्गदर्शन करते रहे हैं। ऐसे में हम सभी को सावधानीपूर्वक बोलने की जरूरत है ताकि मीडिया के जरिए हमारे साथी दलों को कोई गलत संदेश न जाए।

भिवंडी लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी की हार को लेकर हुई समीक्षा बैठक

पर्यवेक्षक गोपाल शेट्टी व जयप्रकाश ठाकुर ने पार्टी पदाधिकारियों से की चर्चा

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी सीट पर लोकसभा चुनाव में हार को लेकर बीजेपी की ओर से आज समीक्षा बैठक की गई। पार्टी पर्यवेक्षक और पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी और प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश ठाकुर ने सीधे क्षेत्र के पदाधिकारियों से चर्चा की और पार्टी को मिली हार के कारणों को जाना। इस बैठक में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई प्रस्ताव को करतल ध्वनि से स्वागत कर मंजूरी दी गई।

समीक्षा के लिए क्षेत्रीय निरीक्षकों की नियुक्ति

राज्य के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए भाजपा द्वारा क्षेत्रीय निरीक्षकों की नियुक्ति की गई थी। भिवंडी के रांजनोली में गोपाल शेट्टी एवं उपाध्यक्ष जयप्रकाश ठाकुर की उपस्थिति में समीक्षा बैठक हुई। चुनाव प्रत्याशी एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल, पूर्व विधायक नरेंद्र पवार, संभागीय संगठन मंत्री

हेमंत म्हात्रे, ठाणे ग्रामीण जिला अध्यक्ष मधुकर मोहपे, कल्याण जिला अध्यक्ष नाना सूर्यवंशी, भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष हर्षल पाटिल, भिवंडी पूर्व विधानसभा प्रमुख संतोष शेट्टी, भरत पाटिल, जीतेन्द्र डाकी आदि उपस्थित थे।इस बैठक में पूर्व सांसद व निरीक्षक गोपाल शेट्टी ने कहा कि देश में झूठी कहानी गढ़कर बनाए गए समीकरणों का परिणाम भिवंडी संसदीय क्षेत्र में हुआ। गोपाल शेट्टी ने पत्रकारों से कहा कि बीजेपी के साथ महागठबंधन में कई सीटों पर बहुत कम वोटों से हार हुई है और पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी। बहुसंख्यकों द्वारा भारत की आत्मा की उपेक्षा की जा रही थी। बीजेपी के गठन के बाद से ही इस समुदाय को बाहर करने की कोशिश की जा रही थी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 वर्षों में उससे निकलने का प्रयास किया। लेकिन, कुछ लोगों ने गलत प्रचार कर उन्हें इस बड़ी जीत से रोकने की कोशिश की, हालांकि, उसके बाद भी हमारे विचारों और राष्ट्रीय हितों के लोगों को एकजुट करने का प्रयास किया जाएगा।' असदुद्दीन औवेसी द्वारा संसद में जो शपथ ली गई है वह गलत है। ऐसे लोगों को सबक सिखाने का प्रयास सभी को करना चाहिए।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपनी मां की हत्या करने के दोषी व्यक्ति की मांगी नई मनोवैज्ञानिक रिपोर्ट

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2017 में कोल्हापुर में अपनी मां की हत्या करने के दोषी व्यक्ति के बारे में एक नई मनोवैज्ञानिक रिपोर्ट और प्रोबेशन वेलफेयर ऑफिसर की रिपोर्ट मांगी है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते ढेरे और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की पीठ के समक्ष दोषी सुनील रामा की दायर याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता ने 2021 में कोल्हापुर की एक अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा के खिलाफ अपील की है। याचिकाकर्ता ने 28

अगस्त 2017 को कोल्हापुर में अपनी 63 वर्षीय मां की हत्या कर दी थी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील युग मोहित चौधरी और पायोशी रॉय ने बताया कि राज्य को समयबद्ध तरीके से आरोपी से संबंधित जानकारी एकत्र करनी चाहिए, जिसमें पालन-पोषण, पारिवारिक पृष्ठभूमि, शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक, आपराधिक पृष्ठभूमि समेत मनोवैज्ञानिक बीमारियां शामिल हैं। याचिकाकर्ता को अपने बचाव में सबूत पेश करने का अवसर दिया जाना चाहिए। पीठ ने याचिकाकर्ता के आचरण और व्यवहार के बारे में जेल अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। इससे पता चलेगा कि क्या कोई सुधारात्मक प्रगति हुई है और दोषसिद्धि के बाद किसी मानसिक बीमारी का पता चलेगा। 10 जुलाई को मामले की अगली सुनवाई रखी गई है।

दो सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दूसरा जख्मी

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी में दो अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसे में जहां एक पैदल यात्री की मौत हो गई है,वही बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है इस मामले में नारपोली पुलिस ने दो फरार वाहन चालकों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दिया है।

पहली घटना

पुलिस के अनुसार डोंबिवली से लोढ़ा धाम जाने वाली सड़क पर ग्रीन लीफ होटल के सामने मंगलवार की रात 11 बजे राजू मकर युरॉव पैदल जा रहे थे। इसी दौरान तेजगति से आ रही कार क्रमांक एमएच 04 सीएम 7819 ने नियम कानून को ताक पर रखकर उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

दूसरी घटना

इसी तरह ठाणे - नाशिक हाइवे पर 25 जून को रात 10.30 बजे के आस पास एमएच 04 एल क्यू 7780 नंबर की पिकअप टेम्पो चालक ने तेजगति की टेंपो को डिवाइडर बनाने के लिए रखे सीमेंट के पेवर ब्लाक में ठोक दिया ।जिसके कारण टेंपो चालक गोपाल पन्नालाल सेट गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

मुंबई-नासिक हाईवे पर पलटा कंटेनर, 3 घंटे तक जाम में फंसे रहे लोग

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में माजीवाड़ा में गुरुवार को एक कंटेनर के पलटने की खबर सामने आई है। इस घटना में किसी के भी हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। हादसे के बाद कंटेनर का चालक मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि कंटेनर पलटने मुंबई-नासिक राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। करीब तीन घंटे से अधिक समय के बाद ट्रैफिक सुचारू रूप से शुरू हुआ।

ट्रक चालक मौके से फरार

नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई से नासिक जा रहा कंटेनर सुबह चार बजे इस्टर्न एक्सप्रेस राजमार्ग पर विवियाना 'मॉल' के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। अधिकारी ने बताया कि वाहन के डिवाइडर से टकराने से सड़क का एक खंभा गिर गया, इससे सड़क पर तेल भी फैल गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि राजमार्ग पर करीब साढ़े तीन घंटे वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। बाद में वाहन को हटवाकर यातायात सुचारू कराया गया।

अलग हो चुकी लिव-इन साथी की निजी वीडियो प्रसारित करने के आरोप में युवक पर मामला दर्ज

ठाणे। ठाणे जिले में 29 वर्षीय व्यक्ति पर एक महिला का निजी वीडियो सोशल मीडिया मंच पर प्रसारित करने के आरोप में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह महिला आरोपी के साथ 'लिव-इन' में रह रही थी और जब उसने रिश्ता तोड़ लिया तो पुरुष साथी ने उसका वीडियो कथित तौर पर प्रसारित कर दिया। ठाणे जिले के शहापुर के रहने वाले आरोपी किरन बागराव पर 47 वर्षीय महिला की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

केस डायरी- पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा कि वह आरोपी के साथ लिव-इन में रह रही थी। उस वक्त उसने महिला के सोने के आभूषण ले लिए थे। उसने एक बार उसका नहाते हुए वीडियो भी बना लिया था। बाद में जब उसने आरोपी के साथ लिव-इन में रहने से इनकार कर दिया और उससे सोने के आभूषण वापस मांगे तो उसने कथित तौर पर व्हाट्सएप पर वीडियो प्रसारित कर दी।

दो बजे
दोपहर
मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

लोकसभा के लिए चुने गए विधायकों के इस्तीफे की घोषणा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए सात विधायकों के इस्तीफे की घोषणा बृहस्पतिवार को की। हाल में संपन्न आम चुनाव में कांग्रेस की प्रणीति शिंदे, प्रतिभा धानोरकर, बलवंत वानखेड़े और वर्षा गायकवाड़, शिवसेना के रवींद्र वायकर और संदीपन भूमरे तथा राकांपा(शरद पवार) के नीलेश लांके ने जीत हासिल की है। कांग्रेस के राजू परवे ने रामटेक संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए लोकसभा चुनाव से पहले ही विधायक पद छोड़ दिया था। परवे हालांकि चुनाव हार गये थे। विधानसभा में दिवंगत सदस्यों मीनाक्षी पाटिल, पांडुरंग पाटिल, प्रतापराव भोसले, गंगाधर गाडे, त्रिम्बक कांबले, डोमिनिक गोंसाल्वेज और दगडू गलांडे को श्रद्धांजलि दी गई।

उद्धव का शिंदे सरकार पर तंज

महायुति को बताया लीकेज सरकार

अयोध्या और नीट मामले पर जमकर बरसे

दोपहर संवाददाता । मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र और सत्तारूढ़ महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं तथा अयोध्या में राम मंदिर में पानी के रिसाव की खबरों के संदर्भ में दोनों को ''लीकेज गवर्नमेंट'' बताया। ठाकरे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बृहस्पतिवार को शुरू हुए राज्य विधानसभा के मानसून सत्र को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली सरकार का ''विदाई'' सत्र भी बताया। उन्होंने मांग की कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कृषि कर्ज माफ किया जाए। इससे पहले, महा विकास आघाडी (एमवीए) के विधायकों ने विधानसभा परिसर में नीट परीक्षा को लेकर सरकार के खिलाफ नारे लगाए। एमवीए में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं।

उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

ठाकरे ने केंद्र तथा राज्य सरकार पर निशाना साधने के लिए नीट और राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के अयोध्या मंदिर में पानी के रिसाव के संबंध में हालिया बयान को लेकर पैदा विवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''केंद्र और राज्य सरकार लीकेज सरकारें हैं। परीक्षा का प्रश्नपत्र (नीट) लीक हुआ और राम मंदिर के गर्भगृह में पानी का रिसाव हुआ। उन्हें कोई शर्म नहीं आती।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव से पहले कृषि कर्ज माफ करने की भी मांग की। उन्होंने कहा, ''कृषि कर्ज तुरंत पूरी तरह माफ कर इसे राज्य में चुनाव से पहले लागू किया जाना चाहिए।'' ठाकरे ने आरोप लगाया कि राज्य में पिछले दो वर्ष में 6,250 किसानों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि एक जनवरी से अब तक 1,046 किसान आत्महत्या कर चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों के लिए घोषित 10,020 करोड़ रुपये की सहायता अभी तक जारी नहीं की गयी है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर देश में जल संकट को लेकर उदासीन होने का आरोप लगाया।

उद्धव बोले- सरकार को वादों पर लाना चाहिए श्वेत पत्र

शुक्रवार को पेश किए जाने वाले राज्य के बजट के मद्देनजर ठाकरे ने कहा कि बजट में ''आश्वासनों की झड़ी'' लगायी जाएगी लेकिन सरकार को उन वादों पर भी श्वेत पत्र लाना चाहिए जो उसने पिछले दो साल में पूरे किए हैं। मध्य प्रदेश की 'लाडली बहना' योजना की तर्ज पर राज्य में भी महिलाओं के लिए एक योजना शुरू किए जाने की खबरों पर ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में बढ़ती बेरोजगारी के मद्देनजर पुरुषों के लिए भी ऐसी ही पहल की जानी चाहिए। उन्होंने मराठी भाषी लोगों के लिए मुंबई में नयी आवासीय परियोजनाओं में 50 फीसदी मकान आरक्षित करने की पार्टी के विधान परिषद सदस्य अनिल परब की मांग का भी समर्थन किया। उन्होंने राज्य विधानसभा की इमारत की एक लिफ्ट में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात को ''महज संयोग'' बताया। इस मुलाकात की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। ठाकरे ने कहा कि यह ''एक अनौपचारिक मुलाकात'' थी। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) तथा उसके सहयोगी कांग्रेस तथा राकांपा (एसपी) ने राज्य में 48 में से 30 सीटें जीती हैं। इससे विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एक नए राजनीतिक गठबंधन को लेकर अटकलें तेज हो गयी हैं।

अनमोल विचार

पागलों की दुनिया में समझदार बने रहना अपने आप में पागलपन है : जीन जैक्स रूसो

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव

अपना उम्मीदवार उतारेगी शिवसेना (यूबीटी)

दोपहर संवाददाता । मुंबई

शिवसेना(यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी आगामी महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में अपना उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास पर्याप्त संख्या बल है जिसकी मदद से उसके प्रत्याशी निर्वाचित होंगे।

11 सीट के लिए 12 जुलाई को द्विवार्षिक चुनाव

महाराष्ट्र विधानमंडल के उच्च सदन की 11 सीट के लिए 12 जुलाई को द्विवार्षिक चुनाव होंगे। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में क्रमशः 2022 और 2023 में हुए विभाजन के बाद पहली बार महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए चुनाव हो रहे हैं।

ठाकरे ने क्या कहा ?

ठाकरे ने कहा, ''हम (शिवसेना-यूबीटी) विधान परिषद चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार मैदान में उतारेंगे क्योंकि 11 सीट हैं और प्रत्येक पार्टी (विपक्षी गठबंधन के घटक राकांपा (शरद पवार गुट), शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस) एक-एक सीट जीत सकती है। हमारे मत तय हैं।'' उन्होंने अपने बयान के साथ 'क्रॉस वोटिंग' की संभावना को भी हवा दे दी है। हमें अपने समीकरण को सार्वजनिक करने की जरूरत नहीं है। मैं कैसे जीत दर्ज करूंगा, उसे बताने की जरूरत नहीं हमारे पास संख्याबल है।'' उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन को अपने विधायकों को एकजुट रखने में मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है।

27 जुलाई को समाप्त हो रहा है कार्यकाल

महाराष्ट्र विधान परिषद के 11 सदस्यों का छह वर्षीय कार्यकाल 27 जुलाई को समाप्त हो रहा है जिसकी वजह से इन सीट पर चुनाव कराना आवश्यक हो गया है। विधान परिषद का द्विवार्षिक चुनाव अक्टूबर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले हो रहा है। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा में इस समय 274 सदस्य हैं और विधान परिषद का चुनाव जीतने के लिए प्रत्येक उम्मीदवार को 23 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता होगी। विधानसभा में राकांपा (अजित पवार गुट) के 41, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के 40 और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 103 सदस्य हैं। सदन में कांग्रेस के 37, शिवसेना(यूबीटी) के 13 और राकांपा (शरद पवार गुट) के 15 सदस्य हैं। राकांपा (शरद पवार गुट) पीसेंट एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी) के नेता जयंत पाटिल का समर्थन करेगी। 2022 में विधान परिषद के लिए चुनाव में कांग्रेस नेता चंद्रकांत हंडोरे को संख्याबल होने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा था जो संकेत करता है कि 'क्रॉस वोटिंग' हो सकती है।

एमएससीबी 'घोटाला'

मुंबई पुलिस ने ईडी की हस्तक्षेप याचिका का किया विरोध

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस ने बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस अर्जी का विरोध किया जिसमें पुलिस की महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक में हुए कथित 25 हजार करोड़ रुपये के घोटाले की जांच बंद करने के लिए दाखिल रिपोर्ट के मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मूल प्राथमिकी दर्ज की थी और मौजूदा उप मुख्यमंत्री अजित पवार को बतौर आरोपी नामजद किया था लेकिन बाद में ईओडब्ल्यू ने कहा कि शीर्ष सहकारी बैंक को कथित घोटाले से कोई अनुचित नुकसान नहीं हुआ।

मामला ईओडब्ल्यू की प्राथमिकी पर आधारित

मामले से जुड़े धनशोधन के आरोपों की जांच कर रही ईडी ने हाल में अदालत का रुख किया और पुलिस द्वारा मामले को बंद करने के लिए दाखिल रिपोर्ट में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि उसका मामला ईओडब्ल्यू की प्राथमिकी पर आधारित है और उसने जांच के बाद मुख्य अभियोजन शिकायत (आरोप पत्र) और दो पूरक आरोप पत्र दाखिल किए हैं।

सितंबर 2020 में दाखिल की थी मामले को बंद करने की अर्जी

ईओडब्ल्यू ने बृहस्पतिवार को दाखिल लिखित जवाब में कहा कि ईडी द्वारा इसी तरह की हस्तक्षेप अर्जी पूर्व में सांसदों और विधायकों के मामले में दाखिल की गई थी जिसे विशेष अदालत खारिज कर चुकी है। उसने कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने उन्हीं बिंदुओं के आधार पर नए सिरे से अर्जी दाखिल की है। कथित घोटाले की जांच कर रही ईओडब्ल्यू ने सबसे पहले मामले को बंद करने की अर्जी सितंबर 2020 में दाखिल की थी जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया था। लेकिन जांच एजेंसी ने अक्टूबर 2022 में अदालत को सूचित किया कि वह शिकायतकर्ता और ईडी द्वारा दाखिल आपत्ति अर्जी में उठाए गए बिंदुओं पर आगे की जांच कर रही है। इस साल मार्च में ईओडब्ल्यू ने यह कहते हुए फिर से मामले को बंद करने का अनुरोध किया कि ''कथित धोखाधड़ी के कारण बैंक को कोई अनुचित नुकसान नहीं हुआ।'' मामले को बंद करने के लिए दाखिल रिपोर्ट में कहा गया कि सहकारी आयुक्त द्वारा अधिकृत अधिकारी के रूप में नियुक्त एक पूर्व न्यायाधीश ने निष्कर्ष निकाला कि ''कारखानों (चीनी मिलों) को दिए गए ऋणों के कारण बैंक को कोई अनुचित नुकसान नहीं हुआ

किसानों को कर्जमुक्त की मांग पर विपक्ष का विधानमंडल की सीढ़ियों पर आंदोलन

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के पहले दिन विपक्षी विधायकों ने गुरुवार को विधानमंडल की सीढ़ियों पर बैठकर आंदोलन किया। आक्रामक विपक्षी विधायकों ने राज्य सरकार पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि शिंदे सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है।

सरकार के विरुद्ध नारेबाजी

मुंबई में विधानमंडल का वर्षाकालीन सत्र के शुरू होने से पहले ही विपक्षी विधायक विधानमंडल की सीढ़ियों पर जमा हो गए और राज्य सरकार के विरुद्ध नारेबाजी करने लगे। विपक्षी विधायकों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि सरकार सिर्फ कमीशन पर ही ध्यान दे रही है, जबकि किसानों की हालत बद से बदतर हो गई है। विधायकों ने किसानों को उबारने के लिए उनका पूरा कर्ज माफ करने की मांग की। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष विजय बडेट्टीवार और विधानपरिषद के नेता प्रतिपक्ष अंबादान दानवे ने कहा कि दोनों सदनों में विपक्ष किसानों की कर्जमाफी की मांग जोरदार तरीके से उठाएगा और सरकार से किसानों को कर्जमाफी की मांग करेगा।

व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या

पालघर। पालघर में चोर होने के संदेह में 23 वर्षीय एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर देने का सनसनी खेज मामला सामने आया है। पेल्हार पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। मिली जानकारी के मुताबिक लोगों के एक समूह ने नालासोपारा के वेलाई पाड़ा इलाके में विजय उर्फ अभिषेक जोगिंदर सोनी को पकड़ लिया। लोगों को संदेह था कि विजय चोरी करने के इरादे से वहां घूम रहा है, इसलिए लोगों ने उसे लाठियों से बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर लिया। फिलहाल मामले में अब तक किसी गिरफ्तारी नही हुई है।

लिफ्ट में हुई फडणवीस और उद्धव ठाकरे की मुलाकात

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में नई चर्चाओं को बल मिला है। ऐसा इसलिए क्योंकि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना-यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की गुरुवार को संयोगवश विधानसभा की लिफ्ट में मुलाकात हुई। महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के ठीक एक दिन पहले फडणवीस और ठाकरे एक साथ लिफ्ट का इंतजार कर रहे थे। इस दौरान दोनों नेताओं बीच बातचीत भी हुई। इसे लेकर महाराष्ट्र के सियासी हलकों में कयासों का दौर शुरू भी हो गया।

उद्धव ठाकरे ने कयासों पर लगाया विराम

हालांकि, शिवसेना-यूबीटी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने इन कयासों पर विराम लगाते हुए कहा 'लोगों को 'ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे' गीत याद आ रहा होगा लेकिन, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।'

ठाकरे ने आगे कहा कि लिफ्ट के कान नहीं होते और इस तरह की मुलाकात होना एक अच्छी बात है। यह एक अप्रत्याशित मुलाकात थी और इसका कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए।

भाजपा विधायक प्रवीण दारेकर ने क्या कहा?

जिस समय लिफ्ट में लिफ्ट में फडणवीस और ठाकरे की मुलाकात हुई, उस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक प्रवीण दारेकर भी वहीं मौजूद थे। उन्होंने कहा कि लिफ्ट का दरवाजा खुलते ही देवेंद्र फडणवीस सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यालय की ओर बढ़ गए और उद्धव ठाकरे विपक्षी पार्टी कार्यालय की ओर चले गए। दारेकर ने कयासों पर विराम लगाते हुए कहा कि उद्धव का सत्तारूढ़ दल के साथ जुड़ने का कोई इरादा नहीं है।

भूमि सौदा संबंधी धनशोधन मामला

खडसे ने खुद को आरोपमुक्त किए जाने का किया आग्रह

नितिन तोरस्कर । मुंबई

वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे ने पुणे जिले में 2016 के एक भूमि सौदे से संबंधित कथित धनशोधन मामले में बृहस्पतिवार को यहां एक विशेष अदालत में स्वयं को आरोपमुक्त किए जाने का आग्रह करते हुए याचिका दायर की। खडसे की पत्नी मंदाकिनी खडसे और दामाद गिरीश चौधरी ने भी मामले में खुद को आरोपमुक्त किए जाने का आग्रह किया है। सांसदों और विधायकों से संबंधित मामलों की सुनवाई करने वाले विशेष न्यायाधीश आरएन रोकड़े के समक्ष वकील स्वप्निल अंबुरे द्वारा आवेदन दायर किए जाने के समय खडसे दंपति अदालत में उपस्थित थे।

ईडी से जवाब मांगा

अदालत ने आरोपियों की याचिका पर मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। महाराष्ट्र में पिछली भाजपा नीत सरकार में वरिष्ठ मंत्री रहे खडसे को 2016 में तब पद छोड़ना पड़ा था जब उन पर आरोप लगा कि उन्होंने अपनी पत्नी और दामाद के लिए पुणे के पास एक औद्योगिक क्षेत्र में सरकारी भूमि की खरीद को सुविधाजनक बनाने के वास्ते अपने पद का दुरुपयोग किया।

ईडी ने आरोप लगाया है कि खडसे परिवार ने यह जमीन 3.75 करोड़ रुपये में खरीदी जबकि इसकी वास्तविक कीमत 31.01 करोड़ रुपये थी। भले ही खडसे और उनकी पत्नी को मामले में आरोपी के रूप में नामित किया गया है, लेकिन जांच एजेंसी ने उन्हें कभी गिरफ्तार नहीं किया।

खडसे के दामाद को जुलाई 2021 में गिरफ्तार किया गया था। उच्चतम न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने से पहले वह दो साल से अधिक समय तक जेल में रहे।

मरीन ड्राइव पर पैर फिसलने से समुद्र में जा गिरी बुजुर्ग महिला

मुंबई। मुंबई के मरीन ड्राइव पर एक महिला की जान मुंबई पुलिस के जवान ने अपनी जान पर खेलकर बचाई। दरअसल, मरीन ड्राइव घूमने आई महिला पैर फिसलने से वह समुद्र में जा गिरी। इसके बाद मुंबई पुलिस कांस्टेबल ने बुजुर्ग महिला को बचाने के लिए समुद्र छलांग लगा दी। यह घटना गुरुवार को दोपहर करीब 2.45 बजे हुई, जब वह फिसलकर 20 फीट से अधिक नीचे पानी में गिर गई। वहां मौजूद लोगों के शोर मचाने के बाद मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन से जुड़े दो कांस्टेबल किरण ठाकरे और अनोल दहीफले ने बिना कुछ सोचे समझे तुरंत पानी में छलांग लगा दी, यहां तक कि अपनी जान को भी खतरे में डालने की परवाह नहीं की।।

दोनों कांस्टेबल ने रिंग, टायर और सुरक्षा रस्सियों की मदद से तेजी से बचाव अभियान चलाया। महिला को बाहर निकाला गया और महिला पुलिस कांस्टेबलों द्वारा जीटी अस्पताल पहुंचाया गया। महिला की पहचान माटुंगा ईस्ट की निवासी स्वाति कनानी के रूप में हुई है, जिनका वर्तमान में एक नागरिक अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह घटना सुंदर महल जंक्शन के पास हुई और बचाव अभियान लगभग 20 मिनट तक चला।

जुलाई में म्हाडा के मुंबई मंडल की लॉटरी

- करीब डेढ़ हजार मकानों का समावेश
- पिछली लॉटरी के बचे हुए 455 मकानों का भी समावेश

दीपक पवार । मुंबई

मुंबई में आम नागरिकों का सही घर का सपना पूरा करने वाली कंपनी म्हाडा के मुंबई बोर्ड ने अगले महीने हाउस लॉटरी निकालने की पहल शुरू कर दी है। इस लॉटरी में करीब 1 हजार 500 घर शामिल होंगे. म्हाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 2023 में निकाली गई लॉटरी से बचे 455 घरों को इसमें शामिल किया जाएगा।

455 घर बचे

म्हाडा के मुंबई डिवीजन के माध्यम से हर साल एक हाउस लॉटरी आयोजित की जाती है। लॉटरी पिछले साल अगस्त महीने में आयोजित की गई थी। इस लॉटरी को नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली. इस लॉटरी के सफल विजेताओं को मकानों का कब्ज़ा दे दिया गया है। सिर्फ 200 लोगों को कब्जा लेना बाकी है। विजेताओं के जवाब न देने और आवेदकों के जवाब न देने के कारण इस लॉटरी में 455 घर बचे हैं। बोर्ड ने पिछली लॉटरी के बचे हुए मकानों और विभिन्न स्थानों पर बन रहे प्रोजेक्टों के मकानों की लॉटरी निकालने का काम जुलाई माह में शुरू कर दिया है. इस लॉटरी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की दो बैठकें हो चुकी हैं. घरों की सूची और कीमत को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है और इन घरों की लॉटरी जुलाई महीने में निकाली जाएगी। इस लॉटरी में गोरेगांव, दक्षिण मुंबई, पवई, विक्रोली आदि के बिखरे हुए घर शामिल होंगे।

संपादकीय

बिरला फिर स्पीकर

भले ही 18वीं लोकसभा की शुरुआत सत्तापक्ष व विपक्ष के बीच मतभेद-असहमति के बीच हुई, लेकिन जैसा अपेक्षित था ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा स्पीकर पद के लिये चुने गए। इससे पहले एनडीए गठबंधन सरकार की आकांक्षा थी कि विपक्ष स्पीकर पद के लिये ओम बिरला का समर्थन करे, लेकिन विपक्ष लोकसभा उपाध्यक्ष पद को लेकर अड़ा रहा। संसद में संख्याबल के आधार पर एनडीए की दावेदारी तय थी, मगर प्रतीकात्मक विरोध के लिये इंडिया गठबंधन ने सबसे अनुभवी सांसद के. सुरेश को स्पीकर पद के लिये अपना उम्मीदवार बनाया। इस बीच मंगलवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के घर हुई बैठक के बाद रात्रि में पार्टी ने घोषणा की कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे। ओम बिरला के लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी बधाई दी। राहुल ने कहा कि भले ही सरकार के पास राजनीतिक शक्ति है लेकिन विपक्ष भी देश के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व कर रहा है। दरअसल, इंडिया गठबंधन कहता रहा है कि सरकार संसदीय परंपरा को दरकिनार करके डिप्टी स्पीकर पद विपक्ष को देने से इनकार कर रहा है। जबकि आम धारणा रही है कि डिप्टी स्पीकर पद विपक्ष को दिया जाता है। सत्ता पक्ष की दलील थी कि लोकसभा अध्यक्ष किसी दल विशेष का नहीं होता वरन सदन चलाने के लिये सब की सहमति से चुना जाता है। सत्ता पक्ष का आरोप है कि इंडिया गठबंधन दबाव की राजनीति कर रहा है। वहीं एक रोचक पहलू यह भी है कि पिछली लोकसभा में डिप्टी स्पीकर पद पर कोई चुना ही नहीं गया। राजनीतिक पंडित इस नियुक्ति को संविधान के अनुसार अनिवार्य बताते हैं। बताया जाता है कि 1969 तक कांग्रेस ने अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद अपने ही पास रखे। कालांतर अपनी सुविधा के अनुरूप विपक्षी दलों से यह पद साझा किया गया। बहरहाल, 18वीं लोकसभा का नया घटनाक्रम यह है कि मंगलवार को कांग्रेस ने राहुल गांधी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया है। यहां उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में चुनावी राजनीति में आने के बाद पहली बार राहुल गांधी किसी संवैधानिक पद पर आसीन हुए हैं। इससे पहले 2019 में पार्टी की पराजय को स्वीकार कर उन्होंने पार्टी अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था। बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष पद पर ओम बिरला के चयन के बाद उन्होंने परिपक्व ढंग से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि स्पीकर का दायित्व है कि विपक्ष के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करे। बहरहाल, दस साल बाद लोकसभा को नेता प्रतिपक्ष का पद मिला है। दरअसल, दो आम चुनावों में कांग्रेस सांसदों का दस फीसदी हासिल नहीं कर पायी थी, जिसके चलते वह नेता प्रतिपक्ष का पद न पा सकी। इस बार के आम चुनाव में 99 सीटें हासिल करके कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष का अधिकार हासिल किया। इंडिया गठबंधन का दावा है कि राहुल अब विपक्ष की आवाज बनेंगे। हालांकि, इस बार लोकसभा में उनकी मां सोनिया गांधी नहीं होंगी, क्योंकि वे राज्यसभा के लिये चुनी गयी हैं। लेकिन वायनाड उपचुनाव के जरिये प्रियंका गांधी के लोकसभा पहुंचने की प्रबल संभावना है। माना जा रहा है कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनकी जिम्मेदार राजनेता की छवि बन सकेगी। वजह है कि नेता प्रतिपक्ष देश में कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों में भूमिका निभाता है। उम्मीद करें कि आम चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री पर तीखे हमले करने वाले राहुल प्रधानमंत्री के साथ इस दायित्व को सहजता से निभा पाएंगे। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष के पास कई तरह के विशेष संवैधानिक अधिकार भी होते हैं। वह कई महत्वपूर्ण समितियों का सदस्य भी होता है। संयुक्त संसदीय समितियों व चयन समितियों में उसकी सक्रिय भूमिका होती है। जो ईडी, सीबीआई, केंद्रीय सूचना आयोग, केंद्रीय सतर्कता आयोग,लोकपाल, चुनाव आयुक्तों व एनएचआरसी के अध्यक्ष जैसे विशिष्ट पदों की नियुक्तियां करती हैं। विपक्षी नेता को कैबिनेट रैंक पद का दर्जा मिलता है। उम्मीद है इससे राहुल गांधी की छवि एक परिपक्व नेता के रूप में उभरेगी। आशा करें कि सहमति-असहमति के बीच स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं को बल मिलेगा।

नये आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में दिक्कतें

के.पी. सिंह

तीन नये आपराधिक कानून, अर्थात् भारतीय न्याय संहिता 2023 (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (बीएसए) 1 जुलाई, 2024 से लागू होने जा रहे हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ ने आपराधिक प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के उद्देश्य से बनाए गए नए कानूनों की सराहना की है और उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जबकि कानूनी बिरादरी के एक वर्ग ने इन कानूनों के कुछ प्रावधानों की अनिश्चितता, अस्पष्टता और संवैधानिकता के बारे में गम्भीर चिंता जताई है।

ममता बनर्जी सहित विपक्षी राजनीतिक दल मांग कर रहे हैं कि नये अधिनियमों को तब तक स्थगित रखा जाना चाहिए जब तक कि लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्य उनकी संस्तुति नहीं कर देते। उनका तर्क है कि ये कानून संसद में बिना किसी सार्थक बहस के जल्दबाजी में पारित कर दिए गए थे, क्योंकि अधिकांश विपक्षी सदस्य निलम्बित थे। नए आपराधिक कानूनों की वैधता के बारे में इतनी देरी से चिन्ता व्यक्त करना अवसरों को गंवाने के अलावा और कुछ नहीं है, ये कानून तीन साल की लम्बी परामर्श प्रक्रिया और हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद बनाए गए थे। इसके बाद गृह मंत्रालय की संसदीय समिति द्वारा इन कानूनों की गहन जांच की गई थी। यहां तक कि दो अलग-अलग अवसरों पर सार्वजनिक नोटिस के जरिए जनता से सुझाव भी मांगे गए थे। सरकार इनमें से किसी भी मांग के आगे नहीं झुक रही है और कानूनों को लागू करने के लिए दृढ़ संकल्पित दिख रही है।

इसके अतिरिक्त, नए प्रावधानों की असंवैधानिकता के बारे में चिंताएं इस तथ्य के मद्देनजर सही नहीं हैं कि बीएनएस में बदलाव मुख्य रूप से नवतेज जौहर (2018), जोसेफ शाइन (2018) और पी. रथिनम (1994) के मामलों में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का प्रतिबिम्ब है। भारतीय न्याय संहिता से राजद्रोह की धारा हटाना राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में शीर्ष अदालत में केन्द्र सरकार के हलफनामे पर क्रियान्वयन दर्शाता है, साथ ही इसमें लम्बे समय से लम्बित राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को भी सम्बोधित किया गया है। बीएनएसएस और बीएसए में संशोधनों पर आपत्तियां भी उचित प्रतीत नहीं होती क्योंकि इनके मूल रूप से आपराधिक कार्रवाई का डिजिटलीकरण और पीड़ित तथा नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रावधानों को शामिल करना है। इसके अलावा गुणवत्तापूर्ण जांच और त्वरित न्याय की मांग को पूरा करने के लिए आपराधिक प्रक्रियाओं को फिर से स्थापित किया गया है।

विशेषज्ञों की अलग-अलग राय के बावजूद, नये कानूनों का क्रियान्वयन आसान नहीं होगा क्योंकि इसमें विभिन्न प्रकार के बुनियादी ढांचे का निर्माण, हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान करना, नियम और संचालन प्रक्रियाएं निर्धारित करना, मानक प्रपत्रों में संशोधन करना और परिचालन संबंधी मुद्दों को सुलझाने के लिए अन्तर-एजेंसी समन्वय करना शामिल है। साथ ही एक बात जो विश्वास दिलाती है कि ये कानून समय पर लागू होंगे यह है कि एक अनुभवी और समय-परीक्षणित आपराधिक न्याय प्रणाली अस्तित्व में है जिसमें किसी भी बदलाव को अपनाने और सीमित संसाधनों के साथ किसी भी समस्या का व्यावहारिक समाधान खोजने की कुव्वत है। नये कानून तय समय पर लागू होंगे, इसका एक और आश्वासन इस हकीकत से भी मिलता है कि पुलिस, अभियोजकों और न्यायिक अधिकारियों को बड़े पैमाने पर क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण दिया गया है, जिसे केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है। हालांकि, कानून लागू करने की व्यवस्था से जुड़े कुछ अधिकारी अभी भी आशंकित हैं, उनका तर्क है कि नए कानूनों के सफल प्रवर्तन से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को अभी भी सम्बोधित किया जाना बाकी है, ताकि अधिनियमों का निर्बाध प्रवर्तन सुनिश्चित किया जा सके।

बीएनएसएस में कई अनिवार्य प्रक्रियाएं हैं, जिसमें तलाशियों, जब्तियों और अपराध के दृश्य की वीडियोग्राफी और केस प्रॉपर्टी आदि की फोटोग्राफी शामिल है, जिनके लिए शुरुआत से ही इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल तकनीकी का प्रयोग करना आवश्यक होगा। हालात यह है कि सभी जांचकर्ताओं और निर्णायकों को अभी भी उपयुक्त उपकरण और तकनीकी प्रदान करके उनका उपयोग करना सिखाना अभी तक सम्भव नहीं हो पाया है, ताकि आवश्यक डिजिटल आउटपुट समान रूप से और स्वीकार्य रूप में उत्पन्न, सुरक्षित और संगृहीत किए जा सकें। इसके अतिरिक्त, ई-कोर्ट कार्यवाही का संचालन और इलेक्ट्रॉनिक संचार आदि के माध्यम से समन और वारंट भेजने सहित कई अन्य प्रक्रियाएं हैं, जिनके लिए अदालतों, पुलिस स्टेशनों और जेलों का बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण, नियमों का मानकीकरण, तकनीकी और सहायक कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण, वित्तीय संसाधन और अंतर-एजेंसी समन्वय अति आवश्यक होंगे। जमीनी हकीकत यह है कि अभी तक अधिकांश राज्यों में इस दिशा में कुछ भी ठोस नहीं किया गया है। बीएनएस में दी गई दंड की सूची में 'सामुदायिक सेवा' को भी शामिल कर लिया गया है, वस्तुस्थिति यह है कि एजेंसियों को अभी तक इस सज़ा को लागू करने के अधिकार क्षेत्र के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है, न ही इस सज़ा को भुगताने के लिए आवश्यक संस्थानों की पहचान करके नियम बनाए गए है।

निःसंदेह, नये कानूनों को लागू करने के पथ में राज्य सरकारों का आगे बढ़ना बिना केन्द्र सरकार के सहयोग और सहारे के चलना सम्भव नहीं होगा। कदम-कदम पर राज्यों को केन्द्र सरकार की मदद की जरूरत होगी।

नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के साथ केन्द्र सरकार की निष्ठा और तत्परता भी जुड़ी हुई है, अतः केन्द्रीय एजेंसियों को चाहिए कि राज्य सरकारों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर काम करें ताकि इन कानूनों को समयबद्ध और सुचारु रूप से लागू किया जा सके।

सहज योग

समझदारी और प्यार भरा व्यवहार

समाज जब टूटता जाएगा, तो बच्चे भी टूटते जाएंगे। उनके अन्दर भी गलत-गलत चीज़ें आ जाएंगी और वो भी रास्ते पर नहीं आएंगे। और जिस घर में अनुशासन नहीं होगा, उसके बच्चे खराब हो जाएंगे। उसका समाज खराब हो जाएगा।

इस तरह से करने से उस पर जो संकट आने हैं वो आते हैं और पत्नी कितने भी वो संकट झेल लें तो भी उसका कुछ कह नहीं सकते है, क्योंकि अगर आप घर के स्त्री को सताएंगे तो वहां पर देवताओं का रमण नहीं हो सकता है। घर की औरतों को जिद नहीं करनी चाहिए। पति को खुश रखना चाहिए। घर द्वार को ठीक रखना चाहिए। ये तो बात सही है, पर सबसे बड़ी बात यह है कि घर की गृहलक्ष्मी जो है वो घर की शक्ति है। इसलिए उससे एक तरह की बड़ी गहरी एकाकारिता साध्य करनी चाहिए। जब यह बिबूना हो जाता है तो औरत भी एक तरह से समझदारी छोड़ के और नाराज हो जाती है। कभी -कभी बहत ज्यादा विस्फोटक होती है। कभी झगड़ा करती है। उससे बच्चों पर बूरा असर आता है और फिर समाज टूटने लग जाता है। समाज जब टूटता जाएगा, तो बच्चे भी टूटते जाएंगे। उनके अंदर भी गलत-गलत चीज़ें आ जाएंगी और वो भी रास्ते पर नहीं आएंगे। और जिस घर की मे डिसप्लीन नहीं होगा, उसके बच्चे खराब हो जाएंगे। उसका समाज खराब हो जाएगा। आज विलायत में क्या हो रहा है। वहां की स्त्री इसके जिम्मेदार नहीं समझती है कि उसको समाज को बनाए रखना है, समझदारी से रहना है और पूरे समय लड़ती रहती है। लड़ने, झगड़ने से कभी भी घर में शांति नहीं आ सकती है। शांति लाने के लिए क्या करना है? पति से सुझाव करना है। उससे बात करनी है कि आखिर, क्या बात है? क्यों न हम दोनों प्रेम के साथ रहे। जिससे हमारे बच्चे ठीक हो जाए। परदेश में कुछ भी सीखने का नहीं है क्योंकि उनका समाज बिल्कुल विचलित हो गया है। एक-एक औरत है वहां आठ- आठ शादी करती है और रईस हो जाती है। उसको बस पैसे की लालच है। वो अपनी सामाजिक स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं है। वो यह नहीं सोचती है कि हमारा समाज, मेरे सिर पर बैठा हुआ है। आज भी हिन्दुस्थान में इतना कुछ बिगड़ा नहीं है। उसका कारण है कि माताएं अच्छी है। पर माताओं को भी जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए। उसे समझाना चाहिए, उससे दोस्ती करनी चाहिए और उनको अपने बराबर समझ कर के और ठीक रास्ते पर रखना चाहिए। गर हमारा समाज ठीक हो जाए, तो जो दुविधाओं में हम पड़े हुए हैं, जो हमारे, जो हम सुनते हैं कि खून खराबा हो रहा है, बॉम्ब फट रहे हैं, फलाना हो रहा है। इस तरह से आशंकित जीवन जो हमारे ऊपर लग गया है उसका कारण है, इन लोगों की माएं। उनकी मांओं ने गर इन बच्चों को ठीक से रखा होता, तो आज वो इस तरह से बेकाबू नहीं होते। इस तरह से गंदे काम नहीं करते। उनको एक तरह से ऐसा जीवन मिल जाना चाहिए कि जो अत्यंत पवित्र हो और अपनी पवित्रता को वो हमेशा माने और उसकी स्वच्छता रखे। जब जीवन पवित्र होगा, तभी आपकी शक्ति जो है, वो चलेगी नहीं तो शक्ति खत्म हो जाएगी, तो यही सोचना चाहिए कि शक्ति का आधार पवित्रता है और उसमें जब पवित्रता नहीं रह जाएगी, तो शक्ति जहां की तहां बैठ जाएगी और आप भी निशक्त हो जाएंगे।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

शख्सियत | पी.वी. नरसिम्हा राव

प्रमुख भारतीय राजनीतिज्ञ

पी.वी. नरसिम्हा राव एक प्रमुख भारतीय राजनीतिज्ञ थे और 1991 से 1996 तक भारत के नौवें प्रधानमंत्री रहे। वे तेलंगाना में एक साधारण पृष्ठभूमि से थे और अच्छी तरह से शिक्षित थे, उनके पास कानून और साहित्य में डिग्री थी।

28 जून, 1921 को जन्मे नरसिम्हा राव भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सदस्य थे और उन्होंने 1990 के दशक की शुरुआत में भारत के आर्थिक सुधारों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रधान मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल ने उदारीकरण और वैश्वीकरण नीतियों की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित किया, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया के लिए खोल दिया। इस अवधि को अक्सर भारत के इतिहास में 'राव युग' या 'आर्थिक उदारीकरण युग' के रूप में जाना जाता है।

अपने शांत और विद्वत्तापूर्ण व्यवहार के लिए जाने जाने वाले राव एक कुशल राजनीतिज्ञ और प्रशासक थे, जिन्होंने चुनौतीपूर्ण राजनीतिक परिदृश्यों को पार किया।

उन्होंने गठबंधन की राजनीति को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया और वित्त, उद्योग और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों की शुरुआत की। उनकी सरकार की नीतियों ने विदेशी निवेश में वृद्धि, उद्योगों के आधुनिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया। अपनी राजनीतिक उपलब्धियों से परे, राव कई भाषाओं के एक प्रसिद्ध विद्वान और लेखक भी थे। उन्होंने कई विषयों पर कई किताबें और लेख लिखे, जो उनकी गहरी बौद्धिक रुचि को दर्शाते हैं।

पी.वी. नरसिम्हा राव का 23 दिसंबर, 2004 को निधन हो गया, वे अपने पीछे आर्थिक परिवर्तन और राजनीतिक व्यावहारिकता की विरासत छोड़ गए, जो भारत के विकास पथ को प्रभावित करना जारी रखती है। उनके योगदान को आधुनिक भारत की आर्थिक नीतियों और वैश्विक एकीकरण प्रयासों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए याद किया जाता है। पी.वी. नरसिम्हा राव का नेतृत्व भारत के राज्य-नियंत्रित अर्थव्यवस्था से बाजार सुधारों को अपनाने वाली अर्थव्यवस्था में परिवर्तन में महत्वपूर्ण था, जिसने आर्थिक विकास और अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव को बढ़ावा दिया। उनके कार्यकाल ने भारत के वैश्विक आर्थिक खिलाड़ी के रूप में उभरने की नींव रखी, जिसने देश के पथ और नीतियों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा।

जीवन ऊर्जा

जीन जैक्स रूसो : जन्म- 28 जून 1712 | जन्म

अधिक सरल और कम व्यर्थ बनें

जीन जैक्स रूसो का जन्म 28 जून 1712 में जिनेवा नगर के आइजक नामक घड़ीसाज के यहां हुआ था। वह अठारहवीं शताब्दी के महान दार्शनिक, लेखक व संगीतकार थे। वह रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म और काल्विनवाद में आस्था रखते थे। इसका स्पष्ट असर उनके लेखन में भी दिखता है।

जो लोग कम जानते हैं वे आमतौर पर बहुत अच्छे वक्ता होते हैं, जबकि जो लोग बहुत कुछ जानते हैं वे कम बाते करते हैं। मैं गुलामी के साथ शांति की अपेक्षा खतरे के साथ स्वतंत्रता को प्राथमिकता देता हूं। मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ है, पर हर जगह वह जंजीरों में जकड़ा हुआ है। हकीकत की दुनिया की अपनी सीमाएं हैं, कल्पना की दुनिया असीमित है। मैं अपने मन के भाव जानता हूं, और मैं पुरूषोंको जानता हूं। मैं उनमें से किसी की तरह नहीं बना हूं जिसे मैंने देखा है। मैं यह विश्वास करने का साहस करता हूं कि मैं उन लोगों की तरह नहीं बना हूं जो अस्तित्व में हैं। प्रकृति ने मुझे जिस सांचे में ढाला था, उसे नष्ट करने में उसने सही काम किया है या गलत, यह मेरे पढ़ने के बाद ही तय हो सकेगा। जब कोई केवल जीविकोपार्जन के बारे में सोचता है तो अच्छा सोचना बहुत कठिन होता है। पागलों की दुनिया में समझदार बने रहना अपने आप में पागलपन है। आप दयालुता से बढ़कर कौन सा ज्ञान पा सकते हैं। हमें अपनी ख़ुशी दूसरों की राय पर क्यों बनानी चाहिए, जबकि वह हमे खुद अपने दिल से मिलती है? एक अच्छा प्रेम पत्र लिखने के लिए, आपको यह जाने बिना शुरू करना चाहिए कि आप क्या कहना चाहते हैं, और यह जाने बिना समाप्त करना चाहिए कि आपने क्या लिखा है। आइए हम अधिक सरल और कम व्यर्थ बनें।

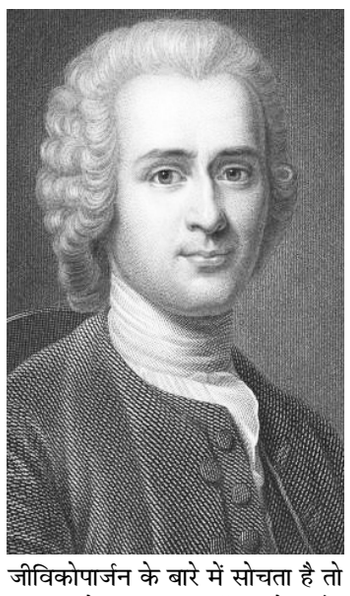

जो लोग स्वयं को दूसरों का मालिक समझते हैं वे वास्तव में उनसे भी बड़े गुलाम हैं। मेरे सभी दुर्भाग्य मेरे साथियों के बारे में बहुत अच्छा सोचने के कारण हैं। प्रत्येक वस्तु अच्छी है क्योंकि वह संसार के रचयिता के हाथ से आती है, परन्तु मनुष्य के हाथ में आते ही ख़राब हो जाती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

मनुष्य को अपने किए कर्मों का फल ही भोगना पड़ता है

अर्जुन ने पूछा- हे गोविंद! जैसे अग्नि को हाथ लगाने से तुरंत मनुष्य का हाथ जल जाता है, ठीक वैसे ही बुरा कर्म करने पर मनुष्य को उस कर्म का फल उसी समय क्यों नहीं मिल जाता है?

श्री कृष्ण ने कहा- ऐसा इसलिए संभव नहीं हो पाता है, क्योंकि यह प्रकृति के नियमों के विरुद्ध है। अर्जुन ने पूछा- परंतु वह कैसे वासुदेव? श्री कृष्ण ने कहा- हे अर्जुन! मनुष्य का प्रत्येक कर्म एक बीज के समान होता है। जैसे 'अच्छे-कर्म' के लिए अच्छा बीज होता है वैसे ही 'बुरे-कर्म' के लिए बुरा बीज होता है।

अब इसमें समझने वाली बात यह है कि मनुष्य को बीज बोने में तो कोई अधिक समय नहीं लगता है परंतु उस बीज का फल आने में एक निश्चित अवधि का समय लग जाता है। ठीक इसी प्रकार से उसके द्वारा किए गए किसी भी कर्म का फल आने में भी एक निश्चित अवधि का समय लग जाता है। अर्जुन ने पूछा- परंतु यह निश्चित अवधि का समय क्यों? श्री कृष्ण ने कहा- क्योंकि प्रकृति किसी भी मनुष्य को उसके द्वारा किए गए पाप-कर्म का फल उसी समय देकर उसके साथ अन्याय नहीं कर सकती। बल्कि वह हर मनुष्य को उसकी गलती का 'पश्चाताप' करने और उसको सुधारने का अवसर अवश्य देती है।

इसी कारण से किसी मनुष्य द्वारा किए गए बुरे-कर्म के फल को आने में एक निश्चित अवधि का समय लग जाता है।

यदि इस निश्चित समय अवधि के दौरान मनुष्य अपनी गलती का 'पश्चाताप' करके उसे सुधार लेता है तो वह उस पाप-कर्म के फल को भोगने से बच सकता है। अन्यथा उसे पाप-कर्म के फल को भोगने से कोई नहीं बचा सकता है, उसे भविष्य में उसका फल भोगना ही पड़ता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

कर्त्तव्य

एक बार स्वामी विवेकानंद रेल में यात्रा कर रहे थे। वह जिस कोच में बैठे थे, उसी कोच में एक महिला भी अपने बच्चे के साथ यात्रा कर रही थी। एक स्टेशन पर दो अंग्रेज अफसर उस कोच में चढ़े और महिला के सामने वाली सीट पर आकर बैठ गए। कुछ देर बाद दोनों अंग्रेज अफसर उस महिला पर अभद्र टिप्पणियां करने लगे। वह महिला अंग्रेजी नहीं समझती थी तो चुप रही। उन दिनों भारत अंग्रेजों का गुलाम था। अंग्रेजों का भारतीयों के प्रति

दुर्व्यवहार आम बात थी।

धीरे-धीरे दोनों अंग्रेज महिला को परेशान करने पर उतर आए। कभी उसके बच्चे का कान उमेठ देते, तो कभी उसके गाल पर चुटकी काट लेते। परेशान होकर उस महिला ने अगला स्टेशन आने पर एक दूसरे कोच में बैठे पुलिस के भारतीय सिपाही से शिकायत की। शिकायत पर वह सिपाही उस कोच में आया भी लेकिन अंग्रेजों को देखकर वह बिना कुछ कहे ही वापस चला गया। रेल के फिर से चलने पर दोनों अंग्रेज अफसरों ने अपनी हरकतें फिर से शुरू कर दीं। विवेकानंद काफी देर से यह सब देख-सुन रहे थे। वे समझ गए थे कि ये अंग्रेज इस तरह नहीं मानेंगे। वे अपने स्थान से उठे और जाकर उन अंग्रेजों के सामने खड़े हो गए। उनकी सुगठित काया देखकर अंग्रेज सहम गए। पहले तो विवेकानंद ने उन दोनों की आंखों में घूरकर देखा। फिर अपने दायें हाथ के कुरते की आस्तीन ऊपर चढ़ा ली और हाथ मोड़कर उन्हें अपने बाजुओं की सुडौल और कसी हुए मांसपेशियां दिखाईं। विवेकानंद के रवैये से दोनों अंग्रेज अफसर डर गए और अगले स्टेशन पर वह दूसरे कोच में जाकर बैठ गए।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

जब शहर छोड़कर जाऊंगा

लाल्टू

कुछ दिनों तक
कुछ लोग करेंगे याद
छोड़ी हुई किताबें रहेंगीं
कुछ दोस्तों के पास
कपड़े या बर्तन जैसी चीज़ें
छोड़ने लायक हैं नहीं
जो रह जाएँगीं फेंकी ही जाएँगीं
कुछ तो फटे पैरों के चिह्न रह ही जाएँगे
दफ्तरी सामान पर होगी दफ्तरी लोगों की मारकाट
ठीक है, मर्जी थी, जाना था,
चला गया कह कह कर
झपटेंगे वे हर स्क्रू, हर नट बोल्ट पर
यह कोई मौत तो नहीं
कि कोई रोएगा भी
वक्त भी ऐसा कि वक्त पहले जा चुका
अब पूरा ही तब होऊँगा, जब जाऊँगा यहाँ से
होगी चर्चा सबसे अधिक
मेरे अधूरेपन पर ही
जब शहर छोड़ कर जाऊँगा.

ग़ज़ल

क़ुर्बतें

सलीम कौसर

क़ुर्बतें होते हुए भी फ़ासलों में क़ैद हैं
कितनी आज़ादी से हम अपनी हदों में क़ैद हैं

कौन सी आँखों में मेरे ख़्वाब रौशन हैं अभी
किस की नींदें हैं जो मेरे रतजगों में क़ैद हैं

शहर आबादी से ख़ाली हो गए ख़ुश्बू से फूल
और कितनी ख़्वाहिशें हैं जो दिलों में क़ैद हैं

पाँव में रिश्तों की ज़ंजीरें हैं दिल में ख़ौफ़ की
ऐसा लगता है कि हम अपने घरों में क़ैद हैं

ये ज़मीं यूँही सिकुड़ती जाएगी और एक दिन
फैल जाएँगे जो तूफ़ाँ साहिलों में क़ैद हैं

इस जज़ीरे पर अज़ल से ख़ाक उड़ती है हवा
मंज़िलों के भेद फिर भी रास्तों में क़ैद हैं

कौन ये पाताल से उभरा किनारे पर 'सलीम'
सर-फिरी मौजें अभी तक दाएरों में क़ैद हैं

सीमाएं

कहानी

मोहन राकेश

इतना बड़ा घर था, खाने-पहनने और हर तरह की सुविधा थी, फिर भी उमा के जीवन में बहुत बड़ा अभाव था जिसे कोई चीज़ नहीं भर सकती थी।

उसे लगता था वह देखने में सुन्दर नहीं है। वह जब भी शीशे के सामने खड़ी होती तो उसके मन में झुँझलाहट भर आती। उसका मन होता कि उसकी नाक लम्बी हो, गाल ज़रा हल्के हों, ठोड़ी आगे की ओर निकली हो और आँखें थोड़ा और बड़ी हों। परन्तु अब यह परिवर्तन कैसे होता? उसे लगता कि उसके प्राण एक ग़लत शरीर में फँस गये हैं जिससे निस्तार का कोई चारा नहीं, और वह खीझकर शीशे के सामने से हट जाती। उसकी माँ हर रोज़ गीता का पाठ करती थी। वह बैठकर गीता सुना करती थी : कभी माँ कथा सुनने जाती तो वह साथ चली जाती थी। रोज़-रोज़ पंडित की एक ही तरह की कथा होती थी—'नाना प्रकार कर-करके नारद जी कहते भये हे राजन्...' पंडित जो कुछ सुनाता था, उसमें उसकी ज़रा भी रुचि नहीं रहती थी। उसकी माँ कथा सुनते-सुनते ऊँघने लगती थी। वह दरी पर बिखरे हुए फूलों को हाथों में लेकर मसलती रहती थी। घर में माँ ने ठाकुरजी की मूर्ति रखी थी जिसकी दोनों समय आरती होती थी। उसके पिता रात को रोटी खाने के बाद चौरासी वैष्णवों की वार्ता में से कोई वार्ता सुनाया करते थे। वार्ता के अतिरिक्त जो चर्चा होती, उसमें सतियों के चरित्र और दाल-आटे का हिसाब, निराकार की महिमा और सोने-चाँदी के भाव, सभी तरह के विषय आ जाते। वह पिता द्वारा दी गयी जानकारी पर कई बार आश्चर्य प्रकट करती, पर उस आश्चर्य में उत्साह नहीं होता। उसे मिडिल पास किये चार साल हो गये थे। तब से अब तक वह उस सन्धि-काल में से गुज़र रही थी जब सिवा विवाह की प्रतीक्षा करने के जीवन का और कोई ध्येय नहीं होता। माता-पिता जिस दिन भी विवाह कर दें, उस दिन उसे पत्नी बनकर दूसरे घर में चली जाना था। यह महीने-दो महीने में भी सम्भव हो सकता था, और दो-तीन साल और भी प्रतीक्षा में निकल जा सकते थे। उमा कुछ कर नहीं रही थी, फिर भी अपने में व्यस्त थी। बैठी थी, लेट गयी। फिर उठकर कमरे में टहलने लगी। फिर खिड़की के पास खड़ी होकर गली की ओर देखने लगी और काफ़ी देर तक देखती रही। सवेरे रक्षा उसे सरला के ब्याह का बुलावा दे गयी थी। वह कह गयी थी कि वह साढ़े पाँच बजे तैयार रहे, वह उसे आकर ले जाएगी। पहले रक्षा ने उसे बताया था कि सरला का किसी लडक़े से प्रेम चल रहा है जो उसे चिट्ठियों में कविता लिखकर भेजता है और जलती दोपहर में कॉलेज के गेट के पास उसकी प्रतीक्षा में खड़ा रहता है। आज वह प्रेम फलीभूत होने जा रहा था। प्रेम...यह शब्द उसे गुदगुदा देता था। राधा और कृष्ण के प्रेम की चर्चा तो रोज़ ही घर में हुआ करती थी। परन्तु उस दिव्य और अलौकिक प्रेम के बख़ान से वह विभोर नहीं होती थी। परन्तु यह प्रेम...उसकी सहेली का किसी लडक़े से प्रेम...यह और चीज़ थी। इस प्रेम की चर्चा होने पर मलमल के जामे-सा हल्का आवरण स्नायुओं को छू लेता था। "उम्मी!" माँ खिड़की में उसके पास आकर खड़ी हो गयी। उमा ने ज़रा चौंककर माँ की ओर देखा। "तुझे अभी तैयार नहीं होना?" माँ ने पूछा। "अभी तैयार हो जाऊँगी, ऐसी क्या जल्दी है?" और उमा की आँखें गली की ओर ही लगी रहीं। "जाना है तो अब कपड़े-अपड़े बदल ले," माँ ने कहा, "बता, साड़ी निकाल दूँ कि सूट?" "जो चाहे, निकाल दो..." उमा अन्यमनस्क भाव से बोली। "तेरी अपनी कोई मर्ज़ी नहीं?"

"उसमें मर्ज़ी का क्या है? जो निकाल दोगी पहन लूँगी।" उसे अपने शरीर पर साड़ी और सूट दोनों में से कोई चीज़ अच्छी नहीं लगती थी। कीमती-से-कीमती कपड़े उसके अंगों को छूकर जैसे मुरझा जाते थे। रक्षा सवेरे साधारण खादी के कपड़े पहनकर आयी थी, फिर भी बहुत सुन्दर लग रही थी। उमा खिड़की से हटकर शीशे के सामने चली गयी। मन में फिर वही झुँझलाहट उठी। आज वह इतने लोगों के बीच जाकर कैसी लगेगी? माँ ने सुबह मना कर दिया होता तो कितना अच्छा था? अब भी यदि वह रक्षा से ज्वर या सिरदर्द का बहाना कर दे...? वह अपने मन की दुर्बलता को तरह-तरह से सहारा दे रही थी। कभी चाहती कि रक्षा उसे लेने आना ही भूल जाए। कभी सोचती कि शायद यह सपना ही हो और आँख खुलने पर उसे लगे कि वह यूँ ही डर रही थी। मगर सपना होता तो कहीं से टूटता या बदलता। सुबह से अब तक इतना एकतार सपना कैसे हो सकता था?

माँ ने सफ़ेद साटिन का सूट लाकर उसके हाथ में दे दिया। उमा ने उसे शरीर से लगाकर देखा। उसे अच्छा नहीं लगा। मगर उसका नया सूट वही था। उसने सोचा कि एक बार पहनकर देख ले, पहनने में क्या हर्ज़ है? सूट की फिटिंग बिलकुल ठीक थी। उसे लगा कि उससे उसके अंगों का भद्दापन और व्यक्त हो आया है। यदि उसकी कमर कुछ पतली और नीचे का हिस्सा ज़रा भारी होता तो ठीक था। यदि उसकी होश में ही उसका पुनर्जन्म हो जाए और उसे रक्षा जैसा शरीर मिले, तो वह इस सूट में कितनी अच्छी लगे? माँ वह लकड़ी का डिब्बा ले आयी जो कभी उसकी फूफी ने उपहार में दिया था। उसमें पाउडर, क्रीम, लिपस्टिक और नेलपालिश, कितनी ही चीज़ें थीं। उसने उन्हें कई बार सूँघा तो था पर अपने शरीर पर उनके प्रयोग की कल्पना नहीं की थी। उसने माँ की ओर देखा। माँ मुस्करा रही थी। "यह किसके लिए लायी हो?" उमा ने पूछा। "तेरे लिए और किसके लिए?" माँ बोली, "ब्याह वाले घर नहीं जाएगी?"

"तो उसके लिए इस सबकी क्या ज़रूरत है?" "वैसे जाना लोगों में बुरा लगेगा। घड़ी-दो घड़ी की ही तो बात है।" "लालाजी ने देख लिया तो...?" "वे देर से घर आएँगे। तू लौटकर साबुन से मुँह धो लेना।"

"परन्तु...!" उसके मन का 'परन्तु' नहीं निकला। पर वह मना भी नहीं कर सकी। उसकी इच्छा न हो, ऐसी बात नहीं थी, पर मन में आशंका भी थी। वह उन चीज़ों को अनिश्चित-सी देखती रही। माँ दूसरे कमरे में चली गयी। लिपस्टिक उसने होंठों के पास रखकर देखी। फिर मन हुआ कि हल्का-सा रंग चढ़ाकर देख ले। चाहेगी तो पल-भर में तौलिये से पोंछ देगी। ज्यों-ज्यों होंठों का रंग बदलने लगा, उसके मन की उत्सुकता बढऩे लगी। तौलिये से होंठ छिपाए हुए वह जाकर खिड़की के किवाड़ बन्द कर आयी। फिर शीशे के सामने आकर वह तौलिये से होंठों को रगडऩे लगी। उससे रंग कुछ फीका तो हो गया पर पूरी तरह नहीं उतरा। फिर तौलिया रखकर उसने पाउडर की डिबिया उठा ली। मन ने प्रेरणा दी कि तौलिया है, पानी है, एक मिनट में चेहरा साफ़ हो सकता है, और वह पफ से चेहरे पर पाउडर लगाने लगी। पफ रखकर जब उसने चेहरे को हाथ से मलना आरम्भ किया तभी सीढ़ियों पर पैरों की खट्-खट् सुनाई दी। इससे पहले कि वह तौलिये में मुँह छिपा पाती, रक्षा दरवाज़ा खोलकर कमरे में आ गयी। उमा के लिए अपना आप भारी हो गया। "तैयार हो गयी, परी रानी?" रक्षा ने मुस्कराकर पूछा।

परी रानी शब्द उमा को खटक गया। उसे लगा कि उस शब्द में चुभती हुई चोट है। "साढ़े पाँच बज गये?" उसने कुंठित स्वर में पूछा।

"अभी दस-बारह मिनट बाकी हैं," रक्षा ने कहा। "मैं समझ रही थी अभी पाँच भी नहीं बजे।" उमा ने किसी तरह मुस्कराकर कहा। उसकी आँखें रक्षा के शरीर पर स्थिर हो रही थीं। आसमानी साड़ी के साथ हीरे के टॉप्स और सोने की चूड़ियाँ पहनकर रक्षा बहुत सुन्दर लग रही थी। माँ ने अन्दर से पुकारा तो उमा को जैसे वहाँ से हटने का बहाना मिल गया। अन्दर गयी तो माँ वह मखमली डिबिया लिये खड़ी थी जिसमें सोने की ज़ंजीर रखी रहती थी। वह ज़ंजीर माँ के ब्याह में आयी थी और उमा के ब्याह में दी जाने के लिए सन्दूक में सँभालकर रखी हुई थी। माँ ने ज़ंजीर उसके गले में पहना दी तो उमा को बहुत अजीब लगने लगा। रक्षा उधर आवाज़ दे रही थी इसलिए वह माँ के साथ बाहर कमरे में आ गयी। उसके बाहर आते ही रक्षा ने चलने की जल्दी मचा दी। जब वह चलने लगी तो माँ ने पीछे से कहा, "रात को मन्दिर में उत्सव भी है। हो सके तो आती हुई दर्शन करती आना।" वह सीढ़ियों से उतरकर रक्षा के साथ गली में चलने लगी। ब्याह वाले घर में पहुँचकर रक्षा बहुत जल्दी इधर-उधर लोगों में उलझ गयी। वह यहाँ से वहाँ जाती, वहाँ से उसके पास और उसके पास से और किसी के पास। उमा सोफे के एक कोने में सिमटकर बैठ रही। जब उसकी रक्षा से आँख मिल जाती तो रक्षा मुस्कराकर उसे उत्साहित कर देती। जब रक्षा दूर चली जाती तो उमा बहुत अकेली पडऩे लगती। वह बत्तियों से जगमगाता हुआ घर उसके लिए बहुत पराया था। वहाँ फैली हुई महक अपनी दीवारों की गन्ध से बहुत भिन्न थी। ख़ामोश अकेलेपन के स्थान पर चारों ओर खिलखिलाता हुआ शोर सुनाई दे रहा था। वह एक प्रवाह था जिसमें निरन्तर लहरें उठ रही थीं। पर वह लहरों में लहर नहीं, एक तिनके की तरह थी—अकेली और एक ओर को हटी हुई। रक्षा कुछ और लड़कियों को लिये हुए बाहर से आयी और उसने उन्हें उसका परिचय दिया, "यह हमारी उमा रानी है, तुम लोगों की तरह चंट नहीं है, बहुत सीधी लडक़ी है।" उमा को इस तरह अपना परिचय दिया जाना अच्छा नहीं लगा, फिर भी वह मुस्करा दी। रक्षा दूसरी लड़कियों का परिचय कराने लगी, "यह कान्ता है, इंटर में पढ़ती है। अभी-अभी इसने कॉलेज के नाटक में जूलिएट का अभिनय किया था, बहुत अच्छा अभिनय रहा।...यह कंचन है, आजकल कला भवन में नृत्य सीख रही है।...और मनोरमा... यह कॉलेज के किसी भी लडक़े को मात दे सकती है...

परिचय पाकर उमा अपने को उनसे और भी दूर अनुभव करने लगी। उन सबके पास करने के लिए अपनी बातें थीं। 'वह', 'उस दिन', 'वह बात', आदि संकेतों में से वे बरबस हँस देती थीं। उमा के विचार कभी फरश पर अटक जाते, कभी छत से टकराने लगते और कभी सफ़ेद सूट पर आकर सिमट जाते।

रक्षा कान्ता को एक फोटो दिखा रही थी। और कह रही थी कि इस लडक़े से ललिता की शादी हो रही है। "अच्छी लाटरी है!" कान्ता तस्वीर हाथ में लेकर बोली, "एक दिन की भी जान-पहचान नहीं, और कल को ये पतिदेव होंगे और ललिता जी 'हमारे वे' कहकर इनकी बात करेंगी—धन्य पतिदेव!" कान्ता की बात पर और सबके साथ उमा भी हँस दी। पर वह बेमतलब की हँसी थी, उसे हँसने के लिए आन्तरिक गुदगुदी का ज़रा भी अनुभव नहीं हुआ था। उसके स्नायु जैसे जकड़ गये थे। खुलना चाहते थे, लेकिन खुल नहीं पा रहे थे। बात में से बात निकल रही थी। कभी कोई बात स्पष्ट कही जाती और कभी सांकेतिक भाषा में। सहसा बात बीच में ही छोडक़र रक्षा एक नवयुवक को लक्षित करके बोली, "आइए, भाई साहब! लाये हैं आप हमारी चीज़?"

"भई, माफ़ कर दो," नवयुवक पास आता हुआ बोला, "तुम्हारी चीज़ मुझसे गुम हो गयी।"

"हाँ, गुम हो गयी! साथ आप नहीं गुम हो गये?" रक्षा धृष्टता के साथ बोली।

"अपना भी क्या पता है?" नवयुवक ने कहा, "इन्सान को गुम होते देर लगती है?"

नवयुवक लम्बा और दुबला-पतला था और देखने में काफ़ी अच्छा लग रहा था। उमा ने एक नज़र देखकर आँखें हटा लीं।

"चलो उधर, सरला बुला रही है," नवयुवक ने फिर रक्षा से कहा।

"उससे कहो, मैं अभी आती हूँ," रक्षा बोली। "चलो भी, अभी आती हूँ।" कहकर उसने रक्षा का हाथ पकडक़र खींचा। रक्षा उसके साथ चली गयी। कान्ता कंचन को बताने लगी कि उस लडक़े का नाम मोहन है और वह सरला का चचेरा भाई है। एम.ए. फाइनल में पढ़ रहा है। उमा ने इससे अधिक कुछ सुनने की आशा की। पर कान्ता वह बात छोडक़र मनो के फीते की प्रशंसा करने लगी। मनो का फीता बहुत सुन्दर था। उसके बालों में सोने का क्लिप और नीले रंग के फूल भी बहुत अच्छे लग रहे थे। उसके ब्लाउज़ का पारदर्शक कपड़ा बिजली के प्रकाश में किरणें छोड़ रहा था। कंचन मनो के कन्धे पर झुककर उसके कान में कुछ फुसफुसाने लगी। उमा की आँखें झट दूसरी ओर को हट गयीं। उसके सामने जो दो स्त्रियाँ बैठी थीं, वे उसी की ओर देखकर कोई बात कर रही थीं। उमा को लगा कि वे उसी की बात कर रही हैं—शायद उसके कपड़ों की आलोचना कर रही हैं। उसने बाँहें समेट लीं और हाथ से गले की ज़ंजीर को सहलाने लगी। "बाहर चल रही हो?" मनो ने उससे पूछा। "रक्षा किधर गयी है?" यह पूछकर उमा और संकुचित हो गयी।

"बाहर ही गयी है, अभी देखकर भेजती हूँ," कहकर मनो कंचन और कान्ता के साथ उठ खड़ी हुई और वे सब बाहर चली गयीं।

उमा फिर बिलकुल अकेली पड़ गयी तो उसके मन का बोझ बढऩे लगा। वहाँ इतने अपरिचित लोगों की उपस्थिति, चहल-पहल और सजावट, सब कुछ उसे बेग़ाना लग रहा था। यदि सहसा उसे सुनसान अँधेरे जंगल में पहुँचा दिया जाता, जहाँ चारों ओर बिलकुल नीरवता होती तो उसे निश्चय ही अब से अच्छा लगता। परन्तु वहाँ उस चुलबुलाहट, छेड़छाड़ और दौड़-धूप में उसकी तबीयत उखड़ रही थी...। सहसा कमरा कहकहों से गूँज उठा। उमा चौंक गयी। कोई ऐसी बात हुई थी जिस पर सब लोग हँस रहे थे। उसने सोचा कि वह भी हँस दे परन्तु वह चुप रही कि हो सकता है उसी के बारे में कोई बात हुई हो...। लेकिन जब हँसी का स्वर बैठ गया तो उसे अपने चुप रहने के लिए खेद हुआ क्योंकि उसकी चुप्पी सबने लक्षित की थी। वह पश्चात्ताप से भर गयी। बाजों का स्वर दूर से पास आ रहा था, इससे लोगों ने अनुमान लगाया कि बारात आ रही है। कमरे की हलचल बढ़ गयी। उमा को उस समय बहुत ही व्यर्थ-सा प्रतीत होने लगा। उसके कानों में बाजे का स्वर गूँज रहा था और आसपास कुछ वाक्यों के टुकड़े मँडरा रहे थे।

—आओ बाहर।

—माधवी, ओ माधवी!

—हाय, मेरा लाल रूमाल!

—रोती है तो रोने दे।

—नीना रानी, ले बिस्कुट।

—मौली मिल गयी, पंडित जी?

—देख, पीछे कितने लोग हैं?

—रूई, फूल, धूप, मेवा।

—मोहनलाल! मोहनलाल।

—देखा, कैसा है?

—कुछ लम्बा लगता है।

—आ मिट्ठू, आ बेटा।

—जान ले ले तू बाबूजी की!

एक-एक करके सब लोग कमरे से बाहर चले गये। कुछ अपने-आप आग्रह से चले गये और कुछ को दूसरे आकर अनुरोध के साथ ले गये। केवल उमा अपने अकेलेपन में घिरी हुई वहाँ बैठी रह गयी।

पहले क्षण तो उसे अकेली रह जाने में अच्छा लगा। दूसरे क्षण उपेक्षित होने की टीस का अनुभव हुआ। फिर आत्मीयता दीप्त हुई कि उसे भी बाहर जाना चाहिए। परन्तु अगले क्षण वह इस अनुभूति से मुरझा गयी कि बाहर जाकर भी वह अकेली होगी... उस भीड़ में उसके होने-न-होने से कोई अन्तर नहीं पड़ता। बैंड का स्वर बहुत पास आ गया था और बाहर कोलाहल बढ़ रहा था। अन्दर उमा के लिए समय के क्षण लम्बे होते जा रहे थे और उसके हृदय की धडक़न मद्धम पड़ रही थी। तभी अचानक रक्षा बाहर से वहाँ आ गयी। "क्यों रानी, रूठ गयी है क्या?" रक्षा ने आते ही पूछा। "नहीं, मैं..." उमा ने सिरदर्द का बहाना करना चाहा, लेकिन उसकी बात पूरी होने से पहले ही रक्षा ने उसका हाथ पकडक़र उठा दिया। "बाहर चल, यहाँ क्यों बैठी है?" वह बोली, "बाहर अभी हम लोग दूल्हा के साथ एक तमाशा करने जा रही हैं।" और कुछ कह सकने से पहले ही उमा बाहर भीड़ में पहुँच गयी। यहाँ कंचन, मनो और कान्ता मिल गयीं। वे सब उसे साथ सरला के कमरे में ले गयीं। सरला दुल्हिन के वेश में बिलकुल और ही लग रही थी। फूलदार जारजेट की साड़ी के साथ मोतियों के गहने उसकी गुलाब-सी त्वचा पर बहुत खिल रहे थे। सरला उसकी ओर देखकर मुस्कराई तो वह उसके होंठों की सलवटें देखती रह गयीं। सरला ने साथ कुछ शब्द भी कहे, परन्तु वे शब्द कोलाहल में उसे सुनाई नहीं दिये। वह उत्तर में यूँ ही मुस्करा दी हालाँकि अपनी वह व्यर्थ की मुस्कराहट उसके हृदय में चुभ-सी गयी... दो घंटे बाद जब रक्षा उसे उसके घर की गली के बाहर छोडक़र आगे चली गयी तब भी उमा के हृदय में वह चुभता हुआ अनुभव उसी तरह था, जैसे कोई काँटा अन्दर टूटकर रह गया हो। वह अपनी स्थिति का निर्णय नहीं कर पा रही थी। एक तरफ़ जैसे रक्षा, सरला, कान्ता, कंचन और मनोरमा खिलखिलाकर हँस रही थीं। दूसरी तरफ़ वे दीवारें थीं, जिनमें सटी हुई खिड़की के पास सवेरे धूप आती थी और दोपहर ढलते ही अँधेरा होने लगता था और जिनके साये में पूर्णिमा और एकादशी के व्रत रखने होते थे। वह जैसे दोनों ओर से दब रही थी और टूट रही थी। गली में आकर उसने मन्दिर की घंटियाँ सुनीं तो उसे माँ की बात याद हो आयी कि आज मन्दिर में उत्सव है। उसके पैर अनायास मन्दिर की सीढ़ियों की ओर बढ़ गये। वह अन्दर पहुँचकर स्त्रियों की पंक्ति में हाथ बाँधकर खड़ी हो गयी। आरती समाप्त होने पर स्तोत्र पाठ आरम्भ हुआ। उमा की आँखें मूँदकर लय में शब्दों का अनुकरण करने लगी, जय सीतावर वर सुन्दर, जय जग सुख दाता। जय जय जग सुखदाता...

परन्तु मूँदी हुई आँखों के आगे रक्षा का खिलखिलाता हुआ चेहरा आ गया, फिर मोहन की बड़ी-बड़ी आँखें, और फिर एक के बाद एक कितनी ही आकृतियाँ सामने आने लगीं, व्यंग्यपूर्ण मुस्कराहटें, उपेक्षा-भरी भौंहें, सोफे का खाली कोना, ज़ोर-ज़ोर से बजता हुआ बाजा...। उसने अपने आपको झटका दिया...। दीनबन्धु करुणामय, सब जग के त्राता!...फिर हिलता हुआ पर्दा,पर्दे के पीछे बिजलियाँ, बिजलियों के प्रकाश में रक्षा, मोहन, सरला और दूल्हा के खिलखिलाते हुए चेहरे।

उमा ने आँखें खोल लीं। स्तोत्र का स्वर चारों ओर गूँज रहा था। बरसों से वह इस स्वर को सुनती आयी थी, लेकिन फिर भी आज उसे यह स्वर कुछ अपरिचित-सा लग रहा था। जैसे उसके अन्तर की गहराई में कहीं कुछ थोड़ा बदल गया था। सहसा उसकी आँखें एक जगह टकराकर लौट आयीं। भीड़ में एक नवयुवक उसकी ओर देख रहा था। उमा के शरीर में लहू का दबाव बढ़ गया। हृदय की गति बहुत तेज़ हो गयी। उसकी आँखें केले के खंभों पर से हटकर सजी हुई सामग्री पर से फिसलती हुई फिर वहीं टकरायीं। वह अब भी उसी तरह देख रहा था।

उमा के लिए पैरों का सन्तुलन बनाये रखना कठिन हो गया। उसकी आँखें ठाकुर जी की मूर्ति पर पड़ीं और जल्दी से हट गयीं। उसके पास से कुछ लोग चलने लगे तो वह भी साथ चल दी। पुजारी से चरणामृत लेकर वह ड्योढ़ी की ओर बढ़ी। सहसा भीड़ में किसी का हाथ उससे छुआ। उमा ने घूमकर देखा। वही दो आँखें थीं...काली डोरेदार आँखें। स्तोत्र का स्वर मशीन के घर्र-घर्र स्वर जैसा हो गया। आसपास की भीड़ पत्थर की गोपियाँ, मिट्टी के आम व कपड़े के तोते, हर चीज़ धुँधली होने लगी। आकाश बोझिल हो गया और धरती समतल नहीं रही। दिशाएँ एक-दूसरी में मिलकर ओझल होने लगीं। प्रकाश रंग बदलने लगा। वह भीड़ में कुछ यूँ हो गयी जैसे रुके हुए पानी में अस्त-व्यस्त हाथ-पैर मार रही हो। केवल एक ज्ञान था कि एक हाथ उसे छू रहा है। यहाँ बाजू के पास, यहाँ कन्धे के पास, यहाँ...। वह बाहर से आती हुई दो स्त्रियों के साथ उलझ गयी। किसी तरह सँभलकर जब वह बाहर पहुँची तो उसे हवा का स्पर्श कुछ विचित्र-सा लगा। लहू जो तेज़ी के साथ नाडिय़ों में सरसरा रहा था, वह अब कुछ ठंडा पडऩे लगा तो शरीर में सिहरन भर गयी। उसके कन्धे के पास उस हाथ का स्पर्श जैसे अभी तक सजीव था। उसका मन हुआ कि वह जल्दी से घर पहुँच जाए और एक बार खिलखिलाकर हँस दे। वे असाधारण क्षण बिलकुल नई-सी अनुभूति छोड़ गये थे। यदि रक्षा उस समय उसके पास होती तो वह हँसती हुई उसके गले में बाँहें डाल देती और उसे घसीटती हुई अपने साथ घर ले जाती। उस स्पर्श को एक बार छू लेने के लिए उमा का हाथ अपने कन्धे के उसी भाग की ओर उठ गया। वह स्पर्श जैसे वहाँ अपनी निश्चित छाप छोड़ गया था। अचानक उसका पैर लडख़ड़ा गया और वह रुक गयी। उसका शरीर पसीने से भीग गया। अँधेरे गहरे-गहरे रंग फैल गये। उस स्पर्श का आभास तो वहाँ था, पर सोने की ज़ंजीर गले में नहीं थी।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष नौकरी में प्रमोशन व प्रशंसा मिल सकते हैं। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। लॉटरी व सट्टे के चक्कर में न पड़ें। बेरोजगारी दूर होने के योग हैं। प्रयास करें। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिलेगा। अज्ञात भय रहेगा।

वृष लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि के योग हैं। आय बनी रहेगी। व्यवसाय में ध्यान दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से हानि होगी। पुरानी व्याधि उठ सकती है। सावधानी आवश्यक है। क्रोध न करें।

मिथुन उत्साह बना रहेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। कोई भी निर्णय सोच-समझकर करें।

कर्क दौड़धूप अधिक होगी। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। आय में कमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। कार्य की गति रुकेगी।

सिंह रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पठन-पाठन व लेखन में मन लगेगा। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। काफी समय से अटके काम पूरे होंगे। आय में वृद्धि होगी। वरिष्ठ वक्तियों का मार्गदर्शन मिल सकता है।

तुला उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आय बनी रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। विवाद के मौके टालें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

वृश्चिक स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। शत्रु मौका ढूंढेंगे, सावधान रहें। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

धनु प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी बड़े काम के होने से प्रसन्नता रहेगी। मातहत साथ देंगे। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। काफी समय से अटके कामों में गति आएगी।

मकर सामंजस्य बैठाएं। आय में निश्चितता रहेगी। किसी बाहरी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी व लापरवाही से बड़ी हानि हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कुंभ व्यापार में लाभ बढ़ेगा। नौकरी मनोनुकूल रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। अध्यात्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। प्रतिद्वंद्वी घुटने टेकेंगे। जल्दबाजी में लेनदेन नहीं करें।

मीन नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। उत्साह तथा प्रसन्नता में वृद्धि होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

आखिर क्यों एकादशी के दिन चावल खाने की है मनाही?

प्रियंका जैन
9769994439

हिंदू धर्म में एकादशी का काफी अधिक महत्व है। भगवान विष्णु को समर्पित इस व्रत में विधिवत पूजा करने के साथ व्रत रखा जाता है। साल में 24 एकादशी पड़ती है। ऐसे में हर मास में 2 एकादशी पड़ती है पहली कृष्ण पक्ष और दूसरी शुक्ल पक्ष में पड़ती हैं। माना जाता है कि इस व्रत को रखने से सभी दुखों, कष्टों और पापों से मुक्ति मिल जाती है और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। एकादशी के दिन के कुछ नियम है जिन्हें जरूर पालन करना चाहिए। ऐसा ही एक नियम है कि एकादशी के दिन चावल नहीं खाने चाहिए। जानिए इसका धार्मिक और वैज्ञानिक कारण।

चावल न खाने का धार्मिक कारण

पौराणिक कथा के अनुसार, महर्षि मेधा से मां शक्ति के क्रोध से बचने के लिए धरती में अपने शरीर का त्याग कर दिया था। कहा जाता है कि जिस दिन उन्होंने अपना शरीर त्यागा उस दिन एकादशी थी। जब महर्षि ने अपना शरीर त्याग दिया तो वह चावल और जौ के रूप में धरती में जन्म लिया। इसी कारण चावल और जौ को जीव के रूप में माना जाता है। एकादशी के दिन इनका सेवन करना यानी महर्षि मेधा के खून और रक्त का सेवन करने के बराबर है।

चावल न खाने का वैज्ञानिक कारण

एकादशी के दिन चावल न खाने के पीछे वैज्ञानिक कारण भी छिपा है। इसके अनुसार, चावल में अधिक मात्रा में पानी पाया जाता है। ऐसे में पानी में चंद्रमा का प्रभाव अधिक होता है और चंद्रमा को मन का कारक माना जाता है। जब व्यक्ति एकादशी के दिन चावल का सेवन करता है, तो उसके शरीर में अधिक मात्रा में पानी हो जाता है। ऐसे में उसका मन चंचल और विचलित होने लगता है। ऐसे में उसे अपना व्रत पूर्ण करने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

रेंगने वाले जीव की योनि में जन्म मिलता है

धार्मिक कथाओं के अनुसार जो लोग एकादशी के दिन चावल उन्हें अगले जन्म में रेंगने वाले जीव की योनि में जन्म मिलता है। ऐसा भी माना जाता है कि एकादशी के दिन चावल खाना अखाद्य पदार्थ खाने के बराबर माना जाता है जिससे मनुष्य को बुरा फल मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार माता शक्ति के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने शरीर का त्याग कर दिया था। उनके अंश पृथ्वी में समा गए और बाद में उसी स्थान पर चावल और जौ के रूप में महर्षि मेधा उत्पन्न हुए। इस कारण चावल और जौ को जीव माना जाता है। कथा के अनुसार जिस दिन महर्षि मेधा का अंश पृथ्वी में समाया था, उस दिन एकादशी तिथि थी। इसलिए एकादशी के दिन चावल खाना वर्जित माना गया। ऐसा माना जाता है कि एकादशी के दिन चावल खाना महर्षि मेधा के मांस और रक्त का सेवन करने के बराबर है।

मन विचलित और चंचल होता है

इसके अलावा एकादशी के दिन चावल को वर्जित मानने के पीछे एक और कारण है। माना जाता है कि चावल में जल तत्व की मात्रा अधिक होती है और जल पर चंद्रमा का प्रभाव अधिक पड़ता है। चावल खाने से शरीर में जल की मात्रा बढ़ती है इससे मन विचलित और चंचल होता है जिससे व्रत पूरा करने में बाधा आती है। इसलिए एकादशी के दिन चावल और जौ से बनी चीजें खाना वर्जित माना गया है। शास्त्रों के अनुसार एकादशी के दिन सात्विकता का पालन करना चाहिए अर्थात इस दिन लहसुन, प्याज, मांस, मछली, अंडा नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा झूठ, चोरी, ठगी जैसे बुरे कर्मों से बचना चाहिए और भगवान विष्णु का ध्यान करना चाहिए।

खबर संक्षेप

घरेलू विवाद में पत्नी की पिटाई पड़ गई भारी

बलिया। बलिया के हल्दी थाना के स्थानीय गांव में पत्नी की पिटाई करना पति को भारी पड़ गया। बड़े भाई ने छोटे भाई की पत्नी को घायल देख छोटे भाई पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। खून से लथपथ छोटा भाई थाना पहुंच पुलिस को बड़े भाई के खिलाफ शिकायत किया। मेडिकल कराने के बाद आरोपी के खिलाफ पुलिस कार्रवाई में जुट गई। हल्दी गांव के मस्जिद निवासी फेकू शाह ने गुरुवार को घरेलू विवाद में पत्नी रेहाना की पिटाई कर दिया। इसमें रेहाना का सिर फट गया। थोड़ी देर बाद फेकू पत्नी का उपचार कराने के बाद घर पहुंचा। उसी समय फेकू का बड़ा भाई अनवर ने रेहना का सिर फटा देख भाई को डांटने लगा। इसको लेकर दोनों भाईयों में विवाद हो गया। आपसी मारपीट में अनवर ने चाकू से छोटे भाई फेकू की गर्दन पर वार कर दिया। बीच-बचाव के बावजूद गर्दन पर कई जगह जख्म हो गया। फेकू खून से लथपथ हो गया। आसपास के लोगों ने दोनों भाईयों को अलग किया। फेकू उसी हालत में थाना पहुंच घटना की जानकारी पुलिस को दी। इस बाबत थानाध्यक्ष सुनील सिंह ने बताया कि दो भाइयों ने आपस में विवाद किया है। उपचार कराने के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है।

झारखंड में 40 अफसरों की हुई ट्रांसफर पोस्टिंग

रांची। झारखंड सरकार ने वन सेवा के 40 अफसरों की ट्रांसफर और पोस्टिंग की है। इनमें 1991 के भारतीय वन सेवा के अफसर एन के सिंह हैं जिन्हें कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य प्राणी प्रतिपालक रांची में पदस्थिपित किया गया है। एन के सिंह इससे पहले मुख्य वन संरक्षक विकास और प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे।

बिहार में लागू होगा दस राज्यों का विकास मॉडल

पटना। बिहार में प्रधानमंत्री मंत्री आवास योजना का काम की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से चल रही थी। जिसको लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन ने अधिकारियों को कई अहम निर्देश दिए थे। जिसके बाद नगर विकास एवं आवास विभाग का अलग-अलग दल दस राज्यों का दौरा कर वहां इस योजना का काम कैसे चल रहा है, इसमें तेजी कैसे लाई जा सकती है, इन सभी प्रक्रिया को जाना और समझा। दस राज्यों से मिली रिपोर्ट के आधार पर बिहार में भी इस योजना के विकास में गति लाई जाएगी। अब राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के काम में तेजी आएगी। देशभर में इस योजना में बेहतर कर रहे राज्यों का सुझाव भी बिहार में लागू किया जाएगा। इसको लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग का अलग-अलग दल दस राज्यों का दौरा कर हाल ही में लौटा है। वहां की डेवलपमेंट प्रोसेस को यहां लागू किया जाएगा। बता दें कि नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन के साथ अधिकारियों की बैठक हुई है, जिसमें इस योजना पर विस्तार से चर्चा की गई है।

तीन पीसीएस अधिकारियों के हुए तबादले

सपा की शिकायत पर फिरोजाबाद से हटाए गए एडीएम को मिली तैनाती

एजेंसी । लखनऊ

चुनाव के बाद यूपी में आईएएस, आईपीएस और पीसीएस अधिकारियों के तबादले का दौर जारी है। गुरुवार को प्रदेश सरकार ने तीन वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। चुनाव के दौरान सपा की शिकायत पर फिरोजाबाद से हटाए गए अपर जिलाधिकारी (एडीएम) अभिषेक कुमार सिंह को बुलंदशहर में अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व बनाया गया है। विवेक कुमार मिश्रा को बुलंदशहर से गाजियाबाद एडीएम (एलए) के पद पर भेजा गया है। गाजियाबाद के एडीएम (एलए) शैलेंद्र भाटिया को यमुना अथॉरिटी में ओएसडी की जिम्मेदारी मिली है।

मंगलवार को बदले गए थे आठ आईपीएस अधिकारी

मंगलवार को एक साथ आठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले हुए। इसमें ज्यादातर तबादले पुलिस अधीक्षकों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के तबादले हैं। शासन के निर्देश पर डीजीपी मुख्यालय ने मंगलवार को आठ आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया, जिनमें सात जिलों के पुलिस कप्तान शामिल हैं। बरेली में प्लॉट पर कब्जे को लेकर खुलेआम फायरिंग की घटना के बाद एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान को हटा दिया गया है। उन्हें एसटीएफ का एसएसपी बनाया गया है। इसके अलावा सहारनपुर के एसएसपी विपिन टांडा को मेरठ का नया एसएसपी बनाया गया है। इसी तरह मुरादाबाद के एसएसपी हेमराज मीना को आजमगढ़ का एसपी बनाया गया है। आजमगढ़ के एसपी अनुराग आर्य को बरेली का एसएसपी बनाया गया है। मेरठ के एसएसपी रोहित सिंह सजवान को सहारनपुर का एसएसपी बनाया गया है। प्रतापगढ़ के एसपी सतपाल को मुरादाबाद का एसएसपी बनाया गया है। चंदौली के एसपी डॉ. अनिल कुमार द्वितीय को प्रतापगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। आगरा में एसपी रेलवे आदित्य लांग्हे का चंदौली का एसपी बनाया गया है।

नीट परीक्षा धांधली मामला

डॉक्टर व उसके बेटे की तलाश में प्रयागराज पहुंची बिहार पुलिस

एजेंसी । प्रयागराज

नीट पेपर लीक मामले की जांच के लिए बिहार पुलिस प्रयागराज पहुंची है। बिहार पुलिस को प्रयागराज के एक डॉक्टर और उसके बेटे की तलाश थी। लेकिन दोनों ही हाथ नहीं लगे हैं। बताया जा रहा है कि ये डॉक्टर सॉल्वर गैंग के संपर्क में था। उसने अपने बेटे की जगह जोधपुर एम्स के स्टूडेंट से परीक्षा दिलाई थी। डॉक्टर के बेटे के आवेदन फार्म में जोधपुर एम्स के छात्र की फोटो लगी मिली है। इसी आधार पर बिहार पुलिस प्रयागराज पहुंची थी। सॉल्वर भी परीक्षा केंद्र से फरार हो गया था।

जोधपुर एम्स का एमबीबीएस छात्र बना था सॉल्वर

प्रयागराज के डॉ। आरपी पांडेय के बेटे राज पांडेय का सेंटर मुजफ्फरपुर के डीएवी कॉलेज में था। बिहार पुलिस ने नीट पेपर लीक (NEET Paper Leak) मामले में उनकी तलाश में नैनी के अक्षयवट अस्पताल और करछना स्थित एक अस्पताल में छापेमारी की, लेकिन वांछित पिता-पुत्र वहां नहीं मिले। इस मामले में सॉल्वर हुकमा राम भी मुजफ्फरपुर सेंटर से फरार हो गया था। हालांकि उसने पुलिस से पूछताछ में ये कबूल लिया था कि उसे 4 लाख रुपये सॉल्वर के रूप में बैठने के मिले थे।

पीएलएफआई के एरिया कमांडर सहित 2 उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी । तोरपा

पीएलएफआई के एरिया कमांडर विष्णु मांझी सहित एक अन्य उग्रवादी सामू डोडराय उर्फ फुटू को पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। दोनों तोरपा थाना क्षेत्र के कुटाम जरिया गांव के रहने वाले हैं। उग्रवादियों के पास एक देसी कट्टा, तीन कारतूस, पीएलएफआई के चार पर्चे, चोरी की बाइक और पांच मोबाइल फोन बरामद किये गये हैं।

गुप्त सूचना के आधार पर की छापेमारी

एसडीपीओ ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई का एरिया कमांडर एक अन्य युवक के साथ तपकारा थाना के तेतरटोली के पास एक मोटरसाइकिल से घूम रहे हैं। जानकारी मिली कि वे अपने पास अवैध हथियार भी रखे हुए हैं। सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। छापामारी टीम जब तेतरटोली के पास पहुंची, तो दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से आते दिखे।

पहले भी जेल जा चुके हैं विष्णु व सामु

एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार विष्णु मांझी इसके पूर्व दी बार जेल जा चुका है। सिमडेगा तथा गुमला में उसके विरुद्ध रंगदरी मांगने सहित अन्य धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। विष्णु मांझी 15 दिन पहले ही जमानत पर जेल से बाहर निकला था और फिर से उग्रवादी गतिविधियों में शामिल हो गया। एसडीपीओ ने बताया कि विष्णु का बड़ा भाई कार्तिक मांझी भी सक्रिय उग्रवादी है वह फिलहाल जेल में है। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार दूसरा उग्रवादी सामू डोडराय उर्फ फुटू भी नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में जेल जा चुका है।

पुलिस को देखकर भागने लगे

पुलिस ने उन्हें रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे परन्तु सशस्त्र बल के सहयोग से दोनों को पकड़ लिया गया। पूछताछ करने पर एक ने अपना नाम विष्णु मांझी उर्फ एडी बताया। दूसरे उग्रवादी ने अपना नाम सामू डोडराय उर्फ फुटू बताया। तलाशी के दौरान विष्णु मांझी की कमर में खोंसी हुई एक देसी लोडेड पिस्तौल और सामु के पास से दो कारतूस के अलावा अन्य सामान बरामद किये गये।

छापेमारी दल में ये सभी थे शामिल

छापामारी दल में पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, तोरपा के थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय, तपकरा के थाना प्रभारी राजू कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक श्यामल कुंभकार, सहायक अवर निरीक्षक रमजानुल हक, आरक्षी चमरा मुंडा, सर्वजीत कुमार, गोपाल भगत रितेश कुमार और रविंद्र कुमार सिंह शामिल थे।यह जानकारी तोरपा के एसडीपीओ खिस्टोफर केरकेट्टा ने गुरुवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

सरायकेला एलआरडीसी ऑफिस की क्लर्क को 8000 रिश्वत लेते किया गया गिरफ्तार

एजेंसी । सरायकेला

सरायकेला-खरसावां जिले के सरायकेला में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने रिश्वत ले रही एक महिला कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। यह महिला कर्मचारी एलआरडीसी कार्यालय में लिपिक यानी क्लर्क है। एसीबी की टीम महिला क्लर्क को जमशेदपुर ले गई है।

जमीन का म्यूटेशन करने के बदले क्लर्क ने मांगी थी रिश्वत

सरायकेला में गुरुवार (27 जून) को एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर इस महिला क्लर्क को गिरफ्तार किया है। स्वागता नंदा नाम की इस महिला क्लर्क ने जमीन का म्यूटेशन करने के लिए रिश्वत की मांग की थी। स्वागता जब 8,000 रुपए रिश्वत ले रही थी, उसी समय एसीबी की टीम ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

सिंग सोय की शिकायत की जांच के बाद एसीबी ने बिछाया ट्रैप

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने सिंग सोय की शिकायत की जांच करवाई। जांच में प्रथम दृष्टया उसकी शिकायत सही पाई गई। इसके बाद एसीबी की टीम ने स्वागता को रंगे हाथ गिरफ्तार करने के लिए जाल बिछाया। एसीबी की योजना के तहत सिंग सोय स्वागता नंदा को रिश्वत देने के लिए एलआरडीसी ऑफिस पहुंचा।

घर के बाहर सोये व्यक्ति पर फायरिंग

सिर में गोली मारकर हत्या

एजेंसी । बक्सर

जिले के इटाढ़ी थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह सोए अवस्था में एक व्यक्ति के सिर में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के कारणों का पता नहीं चला है। मृतक की पहचान राशिद हजाम (45 वर्ष) के रूप में की गई है। राशिद हजाम मजदूरी करते थे। राशिद के कमाने से ही घर चलता था। परिवार वालों का मानना है कि किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं थी। राशिद के पास जमीन भी नहीं है कि भूमि विवाद में इस तरह की घटना को अंजाम दिया गया हो।

घर के बाहर सोया था राशिद

इटाढ़ी थाना क्षेत्र के खनिता गांव में बुधवार की रात खाना खाने के बाद राशिद हजाम घर के बाहर खाट पर सोए हुए थे। घटना के बारे में भतीजा नजीर हुसैन ने बताया कि बगल में किसी के यहां बर्थडे पार्टी चल रही थी। इस दौरान जेनरेटर की आवाज भी काफी आ रही थी। ऐसे में किसी ने मौका देखकर हत्या कर दी। घटना कब हुई किसी को जानकारी नहीं हुई। सुबह में पता चला कि इस तरह की घटना हो गई है। घर वाले की राशिद की हत्या से हैरान हैं। वो समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर यह हत्या किन कारणों से हुई। घटनास्थल से पुलिस को गोली का खोखा नहीं मिला है। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

व्यापार जगत

सेंसेक्स 79,243 और निफ्टी 24,044 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद

एजेंसी । मुंबई

शेयर बाजार ने 27 जून को लगातार तीसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया है। सेंसेक्स 568 अंक की बढ़त के साथ 79,243 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 175 अंक की बढ़त रही। ये 24,044 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 79,396 और निफ्टी ने 24,087 का ऑल टाइम हाई बनाया। शेयर बाजार ने 25 और 26 जून को भी ऑल टाइम हाई बनाया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में तेजी और 8 में गिरावट देखने को मिली है। मेटल, एनर्जी और IT शेयर्स में ज्यादा तेजी है। निफ्टी IT इंडेक्स में सबसे ज्यादा 2.03% की तेजी रही। अल्ट्राटेक सीमेंट 5.45% की तेजी के साथ निफ्टी का टॉप गेनर रखा। L&T का शेयर 1.11% की गिरावट के साथ निफ्टी टॉप लूजर रहा।

26 जून को बाजार ने बनाया था ऑल टाइम हाई

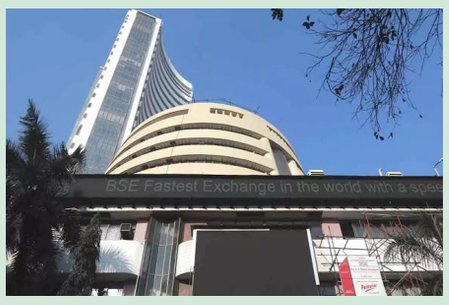

इससे पहले 26 जून को शेयर बाजार ने लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया था। सेंसेक्स 620 अंक की तेजी के साथ रिकॉर्ड 78,674 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 147 अंक की तेजी रही। ये 23,868 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले कल कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 78,759 और निफ्टी ने 23,889 का स्तर छुआ। वहीं कल यानी 25 जून को भी सेंसेक्स और निफ्टी ने ऑल टाइम हाई बनाया था।

इंडिया सीमेंट में 23% हिस्सेदारी खरीदेगी अल्ट्राटेक

बोर्ड ने दी मंजूरी, इंडिया सीमेंट्स के शेयर में 11.09% की तेजी रही

एजेंसी । नई दिल्ली

अल्ट्राटेक सीमेंट के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इंडिया सीमेंट्स में 23% की इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण की मंजूरी दे दी है। इंडिया सीमेंट्स के 7.06 करोड़ स्टॉक्स को 267 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से अल्ट्राटेक खरीदेगी। इस हिसाब से इस डील की कुल कीमत करीब 1,885 करोड़ रुपए हो सकती है। अल्ट्राटेक सीमेंट ने 27 जून को एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी। इसी के साथ ही आज इंडिया सीमेंट्स के शेयर में 11.09% की तेजी देखने को मिली, ये 291.75 के स्तर पर बंद हुआ। पिछले 5 दिन में इंडिया सीमेंट्स के शेयर में 26.13% और 1 महीने में 36.65% की तेजी देखने को मिली।

अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर में भी 5.45% की तेजी रही

अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर में भी आज 5.45% की तेजी देखने को मिली। पिछले 5 दिन में कंपनी के शेयर में 7.45% और 1 महीने में 14.91% की तेजी देखने को मिली। वहीं, पिछले 1 साल में अल्ट्राटेक सीमेंट ने 43.14% की रिटर्न दिया है।

राधाकिशन दमानी के पास इंडिया सीमेंट्स में 20.78% की हिस्सेदारी

प्रमोटर ग्रुप के पास इंडिया सीमेंट्स में 28.42% की हिस्सेदारी है, जबकि जाने-माने निवेशक राधाकिशन दमानी और उनके सहयोगियों के पास सीमेंट कंपनी में 20.78% की हिस्सेदारी है। अल्ट्राटेक ने कहा कि अधिग्रहण पूरा होने की सांकेतिक समय अवधि एक महीने है। कंपनी ने कहा कि अधिग्रहण कैश में किया जा रहा है।

देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है अल्ट्राटेक

अल्ट्राटेक देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है, जिसकी कुल उत्पादन क्षमता 152.7 MPTA है। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने 7,600 करोड़ की एंटरप्राइज वैल्यू पर केसोराम के सीमेंट बिजनेस का अधिग्रहण किया था।

एफपीआई पंजीकरण नियमों में संशोधन

एजेंसी । नई दिल्ली

सेबी ने प्रवासी भारतीयों, विदेशों में बसे भारतीयों और निवासी भारतीयों के लिए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) से संबंधित पंजीकरण दिशानिर्देशों में संशोधन किया है। यह संशोधन 25 जून से प्रभावी हो गए हैं। सेबी की अधिसूचना के अनुसार, नए नियम के तहत पंजीकरण के लिए आवेदन करने वाले एफपीआई को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके कोष में किसी एक एनआरआई या ओसीआई या निवासी भारतीय का योगदान 25 प्रतिशत से कम हो। इसके अलावा, समग्र स्तर पर आवेदक एफपीआई को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोष में उनका योगदान 50 प्रतिशत से कम हो। नए नियम के अनुसार, एनआरआई, भारत के विदेशी नागरिक और निवासी भारतीय, आवेदक एफपीआई के नियंत्रण में नहीं होने चाहिए। सेबी ने कहा, निवासी भारतीय व्यक्तियों का योगदान आरबीआई द्वारा अधिसूचित उदारीकृत रेमिटेंस योजना के माध्यम से किया जाएगा और यह उन वैश्विक कोषों में होगा जिनका भारत में निवेश 50 प्रतिशत से कम है।

नई नियुक्तियों में 25 प्रतिशत विवाहित महिलाएं फॉक्सकॉन

एजेंसी । नई दिल्ली

एप्पल आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने सरकार को सूचित किया कि उसके नए कर्मचारियों में से 25 प्रतिशत विवाहित महिलाएं हैं और उसका सुरक्षा नियमन भेदभावपूर्ण नहीं है। फॉक्सकॉन के विवाहित महिलाओं को नौकरी पर नहीं रखने की खबरों के बीच सरकार को यह जानकारी दी गई। श्रम व रोजगार मंत्रालय ने फॉक्सकॉन इंडिया के एप्पल आईफोन संयंत्र में विवाहित महिलाओं को काम पर न रखने के मुद्दे पर तमिलनाडु के श्रम विभाग से बुधवार को विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी।

पारेख ने भेदिया कारोबार मामले का किया निपटान

एजेंसी । नई दिल्ली

इन्फोसिस के एमडी और सीईओ सलिल पारेख ने सेबी को 25 लाख रुपये का भुगतान कर भेदिया कारोबार नियमों के कथित उल्लंघन के मामले का निपटान कर लिया है। सेबी के आदेश के अनुसार, वह (पारेख) आंतरिक नियंत्रण की 'पर्याप्त और प्रभावी प्रणाली' स्थापित नहीं कर सके। यह मामला इन्फोसिस के शेयरों में भेदिया कारोबार के कथित मामले में 29 जून, 2020 से 27 सितंबर, 2021 के बीच सेबी की जांच से सामने आया।

कर छूट के लिए निवेश सीमा बढ़ाने पर हो रहा विचार

एजेंसी । नई दिल्ली

आगामी बजट में मध्यवर्ग को आयकर से जुड़ी राहत मिल सकती है। जुलाई के दूसरे सप्ताह में केंद्रीय वित्तीय मंत्री निर्मला सीतारमण वित्तीय वर्ष 2024-25 का आम बजट पेश करेंगी, जिसमें नौकरीपेशा लोगों को आयकर में राहत मिलने की संभावना है। खासकर सरकार पुरानी आयकर व्यवस्था में धारा 80सी के तहत निवेश की सीमा को बढ़ा सकती है। इसके साथ ही, नई कर व्यवस्था को अधिक आकर्षक बनाने का भी ऐलान आम बजट में किया जा सकता है।

बीते दिनों में केंद्रीय वित्त मंत्री ने अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े व्यावसायियों एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों के साथ बजट सुझावों को लेकर चर्चा की है। संगठनों के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों ने मांग उठाई है कि वर्ष 2014 के बाद से केंद्र सरकार ने धारा 80सी के तहत निवेश की सीमा को नहीं बढ़ाया गया है जबकि इस अवधि के दौरान लोगों की आय बढ़ी है। खुदरा महंगाई बढ़ने से खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी से इजाफा हुआ है। इससे रोजमर्रा के इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं पर खर्च बढ़ने से लोगों की बचत पर भी असर पड़ा है।

अफगानिस्तान को सेमीफाइनल में उसके सबसे न्यूनतम स्कोर पर समेटा, नौ विकेट की बड़ी जीत दर्ज की मार्कराम की टीम ने

टूट गया साउथ अफ्रीका का 'चोकर्स' टैग

दक्षिण अफ्रीका पहली बार फाइनल में

एजेंसी । तारोबा

दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को आखिरकार पहली बार विश्व कप के फाइनल का टिकट कटा लिया। एडेन मार्कराम की टीम ने टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 67 गेंद रहते नौ विकेट से धोकर उनका स्वप्निल सफर भी थाम दिया। लगातार आठवीं जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने खुद पर लगा चोकर्स का ठप्पा भी हटा दिया। टीम इससे पहले 13 सेमीफाइनल (वनडे और टी-20 विश्व कप) हार या बारिश से गंवा चुकी थी। पहले आईसीसी के विश्व खिताब के लिए दक्षिण अफ्रीका का सामना शनिवार को भारत या इंग्लैंड से होगा।

नंबर गेम

- 8 लगातार जीत विश्व कप में दर्ज कर दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के रिकॉर्ड की बराबरी की। उसने पहली बार टी-20 में आठ मैच जीते
- 56 रन विश्व कप के नॉकआउट का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले वेस्टइंडीज ने 2009 में श्रीलंका के खिलाफ 101 रन बनाए थे
- 67 गेंद रहते दक्षिण अफ्रीका की टी-20 में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2007 में उसने पाक को 51 गेंद रहते मात दी थी

30 गेंद में आधी टीम पवेलियन

अपने जांबाज प्रदर्शन से दिल जीतने वाले अफगान लड़ाके सेमीफाइनल में की कहर बरपाती गेंदों का आलम यह था कि 30 गेंद में आधी अफगानिस्तानी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करने वाले उसके ओपनर गुरबाज खाता भी नहीं खोल पाए। यानसेन ने उनको आउट कर अफगानिस्तान को जो पहला झटका दिया उससे भी उबर ही नहीं पाई। नतीजा 71 गेंद (11.5 ओवर) में मात्र 56 रन पर पूरी टीम ढेर हो गई जो उसका टी-20 में सबसे न्यूनतम स्कोर है।

रहाणे लीसेस्टरशर के लिए काउंटी, वनडे कप खेलेंगे

एजेंसी । लीसेस्टर

भारत के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मौजूदा सत्र के दूसरे भाग के लिए इंग्लिश काउंटी टीम लीसेस्टरशर के साथ अनुबंध किया है। क्लब ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। रहाणे जुलाई के मध्य में टीम से जुड़ेंगे। वह काउंटी चैंपियनशिप के अंतिम पांच मैचों में टीम का प्रतिनिधित्व करने के साथ वनडे कप में भी खेलेंगे। लीसेस्टरशर की टीम वनडे कप की गत चैंपियन है। रहाणे टीम में 36 वर्षीय वियान मुल्डर की जगह लेंगे। मुल्डर अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के साथ वेस्टइंडीज दौरे पर जा सकते हैं। उन्होंने भारतीय टीम के लिए सभी प्रारूप में 15 शतकों के साथ 8,000 से अधिक रन बनाए हैं। इसके अलावा रहाणे ने सभी प्रारूपों (प्रथम श्रेणी, लिस्ट-ए और टी20) में 51 शतक की मदद से 26,000 से अधिक रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 265 रन रहा है।

यूरो 2024 पुर्तगाल को 0-2 से मिली शिकस्त

जॉर्जिया के फॉरवर्ड मिकाउतात्जे सर्वाधिक तीन गोल कर चुके

- 03 मैच में पुर्तगाल की टीम ग्रुप एफ में छह अंक के साथ शीर्ष पर
- 05 गोल पुर्तगाल ने किए, तीन खाए, रोनाल्डो गोल करने में नाकाम

जॉर्जिया ने उलटफेर कर पुर्तगाल को किया पराजित

एजेंसी । गेलसेनकिरचेन

मैच से पहले क्रिस्टियानो रोनाल्डो से लिए कुछ टिप्स से ख्विचा कवारात्सखेलिया इतने प्रेरित हुए कि उनकी टीम जॉर्जिया ने यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में बड़ा उलटफेर कर दिया। ग्रुप एफ में जॉर्जिया ने रोनाल्डो की पुर्तगाल को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बना ली।

शर्ट मिली, गोल ठोका

रोनाल्डो के प्रशंसक जॉर्जिया के सात नंबर जर्सी वाले कवारात्सखेलिया ने मैच से पहले उनसे बात की। उन्हें रोनाल्डो की शर्ट भी तोहफे में मिली और इसी खिलाड़ी ने मैच में पहला गोल दाग दिया। रोनाल्डो अभी तक टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं कर सके हैं। जॉर्जिया को नॉकआउट में पहुंचने के लिए यह मैच हर हालत में जीतना था। उसने 93वें सेकंड में बढ़त बना ली जब जॉर्जेस एम के पास पर कवारात्सखेलिया ने खाता खोला।

बेल्जियम अंतिम 16 में, यूक्रेन बाहर

स्टटगार्ट। बेल्जियम ने यूक्रेन से गोलरहित ड्रॉ खेलने के बाद यूरोपीय फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया जबकि चार अंक लेकर बाहर होने वाली ग्रुप की पहली टीम बन गई। बेल्जियम का सामना अब सोमवार को डसेलडोर्फ में अंतिम 16 के मुकाबले में फ्रांस और किलियान एमबापे से होगा।

स्लोवाकिया, रोमानिया भी नॉकआउट में

फ्रैंकफर्ट। रोमानिया ने स्लोवाकिया से 1-1 से ड्रॉ खेला और दोनों ने यूरोपीय फुटबॉल के नॉकआउट चरण में जगह बना ली। रोमानिया ग्रुप ई में बेहतर गोल औसत के आधार पर बेल्जियम से ऊपर शीर्ष पर रहा जबकि स्लोवाकिया तीसरे स्थान पर रहा। स्लोवाकिया के लिए 24वें मिनट में ओंडरेज डुडा ने हेडर पर गोल किया।

मैक्सिको को हरा वेनेजुएला क्वार्टर फाइनल में

इंगलवुड। वेनेजुएला ने मैक्सिको को 1-0 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप बी मैच का एकमात्र गोल 57वें मिनट में सालोमोन रोन्डोन ने पेनाल्टी किक पर किया। इस हार से मैक्सिको पर पहले दौर से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है। वेनेजुएला ने पहले मैच में इक्वाडोर को 2-1 से पराजित किया था। वेनेजुएला का ग्रुप में शीर्ष दो टीमों में रहना तय है।

फख्र से लौटेंगे अफगानिस्तानी

अफगानिस्तान भले फाइनल में नहीं पहुंच पाया पर खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन न सिर्फ सबका दिल जीता बल्कि देश के क्रिकेट का सुनहरा पन्ना भी लिखा। न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश जैसी टीमों हराकर अफगान लड़ाकों ने पहली बार सेमीफाइनल तक का सफर तय करके दिखा दिया कि आने वाले वक्त हमारा है। हार के बावजूद अफगान टीम फख्र के साथ सिर ऊंचा करके स्वदेश लौटेगी।

फारूकी ने तोड़ा हसरंगा का रिकॉर्ड

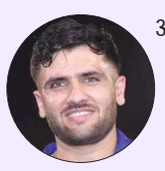

अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी एक विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने आठ मैच में 9.41 की इकोनॉमी से 17 विकेट चटकाकर श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा (16 विकेट, 2021) का रिकॉर्ड तोड़ा।

अजय मीणा की संघर्षपूर्ण जीत

मुंबई। अजय मीणा ने सीसीआई बैडमिंटन कोर्ट पर खेले जा रहे स्पोर्ट्जफर्स्ट-सीसीआई एंड जीएमबीए योनेक्स सनराईज जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप के दूसरे दौर के मैच में मेजबान क्लब के जावेद शेख को एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में 10-15, 15-10, 15-8 से पराजित किया।

पहला गेम गवांने के बाद अजय मीणा के खेल में जबरदस्त तरीके से सुधार आया और वे बाजी पलटने में कामयाब रहे। दूसरे दौर के अन्य मैचों में नाईजेल डीसा ने मनोज पाटील को 15-6, 15-2 से, पियुष कांबळे ने जीत जैन को 15-6, 15-3 से, हर्षित माहीमकर ने अमेय नकाशे को 15-8, 15-7 से, देवांश निसार ने देवांश गुप्ता को 15-3, 15-5 से, पवन सिंह ने अर्णव भगत को 15-13, 7-15, 15-7 से, कनिष्क गुर्रम ने सूर्यांशा सेठ को 15-5, 15-5 से, दारस नाडर ने सौरव घाग 15-2, 15-6 से, राज मोरे ने सोहम चव्हाण 15-7, 15-8 को, क्षितिज शिंदे ने सन्यम खक्के 15-4, 15-5 से, सत्यशील कुलकर्णी ने हर्ष सावर्डेकर को 15-4, 15-3 से, मिशील शाह ने रोहित आठल्ये को 15-8, 15-6 से, और जहाँ दाबू ने हितेश मल्होत्रा को 15-14, 15-5 से हराया।

सुपरबेट शतरंज

गुकेश की चालों से मात खा गए डेक बोगडान-डेनियल

- भारतीय खिलाड़ी की गलती का फायदा नहीं उठा सके डेनियल
- प्रज्ञाननंदा-अब्दुसात्तोरोव 60 चाल के बाद ड्रॉ पर हुए सहमत

बुखारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में रोमानिया के डेक बोगडान-डेनियल को हराकर शानदार शुरुआत की। गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद पहली बार क्लासिकल शतरंज की किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।

गलती के बावजूद जीते

इस साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देने को तैयार गुकेश को इस मुकाबले के दौरान किस्मत का भी साथ मिला, जब उनकी गलती पर रोमानिया का खिलाड़ी फायदा उठाने में नाकाम रहा। गुकेश ने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। बोगडान-डैनियल ने 'निम्जो इंडियन डिफेंस चाल के शुरुआत की जिसने मुकाबला बीच में जटिल बना दिया। रोमानिया के खिलाड़ी के पास गुकेश पर बढ़त बनाने का मौका था लेकिन उन्होंने प्यादे के मुकाबले अपने 'रूक (हाथी) को गंवा दिया। गुकेश इसके बाद मजबूत वापसी करने में सफल रहे।

'कमांडर करण सक्सेना' को मिली रिलीज तारीख

टी वी की दुनिया में भगवान राम का किरदार निभाकर मशहूर हुए अभिनेता गुरमीत चौधरी अब एक्शन अवतार में नजर आने वाले हैं। इन दिनों वह अपने करियर की पहली वेब सीरीज 'कमांडर करण सक्सेना' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में गुरमीत के साथ इकबाल खान और ऋता दुर्गुले भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'कमांडर करण सक्सेना' OTT प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी। अब इस सीरीज की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है।

आज रिलीज होगा ट्रेलर

'कमांडर करण सक्सेना' का प्रीमियर 8 जुलाई, 2024 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर होगा। निर्माताओं ने बताया कि सीरीज का ट्रेलर 28 जून को रिलीज होगा। निर्माताओं ने सीरीज का मोशन पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'जहां भवंडर होता है, वहां कमांडर होता है।' 'कमांडर करण सक्सेना' का निर्देशन जतिन वागले ने किया है, जबकि इसका निर्माण कीलाइट प्रोडक्शंस ने किया है। सीरीज की कहानी अमित खान ने लिखी है।

'पिल' का ट्रेलर जारी

अभिनेता रितेश देशमुख फिल्मों के अलावा अब OTT की दुनिया में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। वह पिछले कुछ दिनों से अपने करियर की पहली वेब सीरीज 'पिल' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान राज कुमार गुप्ता ने संभाली है। अब निर्माताओं ने 'पिल' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसकी कहानी फार्मा इंडस्ट्री पर आधारित है। रितेश ने एक बार फिर अपनी उम्दा अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया है।

जियो सिनेमा पर रिलीज होगी फिल्म

'पिल' OTT प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर दस्तक देने को तैयार है। फिल्म का प्रीमियर 12 जुलाई, 2024 से होगा। रोनी स्क्रूवाला इस सीरीज के निर्माता हैं, वहीं इसकी कहानी राज कुमार गुप्ता, परवीज शेख, जयदीप यादव और अनघ मुखर्जी ने मिलकर लिखी है।

'कुली' में रजनीकांत का धांसू अवतार

'जेलर' और 'लाल सलाम' की सफलता के बाद अब अभिनेता रजनीकांत फिल्म 'कुली' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं।

इस फिल्म में उनके साथ कमल हासन की बेटी और अभिनेत्री श्रुति हासन भी अहम किरदार में दिखेंगी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान लोकेश कनगराज ने संभाली है। यह लोकेश और रजनीकांत के बीच पहला सहयोग है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब 'कुली' से रजनीकांत की पहली झलक सामने आ गई है।

फिल्म के टीजर को मिला खूब प्यार

रजनीकांत के प्रशंसक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खासकर टीजर के बाद उनकी बेताबी बढ़ गई है। फिल्म को IMAX प्रारूप में शूट किया जाएगा। हालांकि, अभी इस फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। इसके अलावा रजनीकांत जल्द अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'वेट्टैयन' में दिखाई देंगे। इस फिल्म के जरिए रजनीकांत और अमिताभ लगभग 33 साल बाद साथ काम कर रहे हैं। यह फिल्म 10 अटक्बूर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'कल्कि 2898 AD' रिव्यू

प्रभास की फिल्म के नायक हैं अमिताभ बच्चन

कई बार रिलीज तारीख टलने के बाद आखिरकार नाग अश्विन के निर्देशन में बनी 'कल्कि 2898 AD' दुनियाभर के सिनेमाघरों में 27 जून को रिलीज हो गई है। प्रभास और दीपिका पादुकोण समेत कई दिग्गज सितारों से सजी फिल्म को लेकर दर्शकों में बेहद उत्साह था। मालूम हो कि इस फिल्म के जरिए निर्माताओं ने दर्शकों को बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने का वादा किया था।

कल्कि अवतार की मां सुमति को बचाने की कहानी

'कल्कि 2898 AD' की कहानी महाभारत काल में अश्वथामा (अमिताभ बच्चन) को श्री कृष्ण द्वारा दिए गए श्राप और भगवान कल्कि की रक्षा के दायित्व से शुरू होती है। इसके बाद कहानी 6,000 साल आगे 2898 में पहुंचती है और दर्शकों को सर्वनाश के बाद की दुनिया के तीन शहरों काशी, शम्बाला और कॉम्प्लेक्स से परिचित कराती है। कॉम्प्लेक्स का शासक यास्किन (कमल हासन) एक नई दुनिया बनाना चाहता है, जिसके लिए उसे सम-80 उर्फ सुमति (दीपिका) की जरूरत है।

क्या भैरव से लड़ने में सफल होगा अश्वथामा?

शम्बाला के लोगों का मानना है कि सुमति भगवान कल्कि को जन्म देगी। ऐसे में जहां अश्वथामा, सुमति को यास्किन के चंगुल से बचाने की हुंकार भरता है, वहीं दूसरी ओर क्रूर शिकारी भैरव (प्रभास) इनाम की खातिर उसे कॉमप्लेक्स पहुंचाना चाहता है। भैरव और अश्वत्थामा में भयंकर लड़ाई देखने को मिलती है। क्या भैरव सुमति को कॉम्प्लेक्स को सौंपने में सफल होगा? अश्वत्थामा और भैरव के बीच क्या पुराने संबंध हैं? इन सवालों का जवाब आपको थिएटर जाकर मिलेगा।

प्रभास-अमिताभ का अभिनय जीत लेगा दिल

प्रभास ने भैरव के विचित्र स्वभाव, लालच और चालाक व्यक्तित्व को बखूबी निभाया।

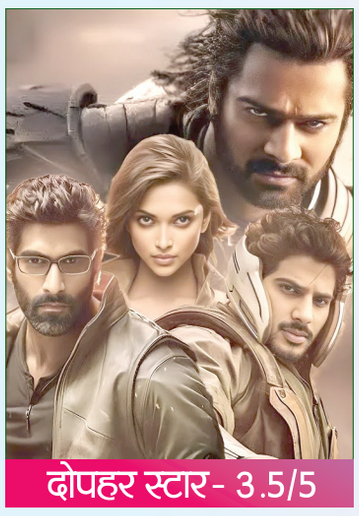

दोपहर स्टार- 3.5/5

उन्होंने अश्विन के दृष्टिकोण को पर्दे पर अच्छे से उतारा। वह भैरव के किरदार में पूरी तरह से फिट बैठते हैं और उनके दृश्य बहुत ही मजेदार हैं। अश्वत्थामा बने अमिताभ फिल्म का मुख्य आकर्षण है। ऐसा लगता है कि वह इस भूमिका को निभाने के लिए ही बने हैं। कम डायलॉग होने के बाद भी वह हाव-भाव से बहुत कुछ बयां करते हैं।

दोहरी भूमिका में प्रभास

'कल्कि 2898 AD' प्रभास के प्रशंसकों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं होगी क्योंकि इस फिल्म में भी अभिनेता 'बाहुबली' की तरह दोहरी भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, फिल्म के असली नायक प्रभास नहीं अमिताभ हैं। यह बिग बी की फिल्म है।

हासन और दीपिका ने भी किया कमाल

सुमति के किरदार में दीपिका अच्छी लगीं। उनके किरदार की भावनात्मक गहराई सम्मोहक है। हालांकि, फिल्म में उनके पास करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। हासन ने कम स्क्रीन टाइमिंग के बाद भी खलनायक सुप्रीम यास्किन की भूमिका में जान डालने का काम किया है। उन्होंने इस किरदार में खुद को इस तरह ढाला है कि सभी तालियां बजाने पर मजबूर हो जाते हैं। दिशा पाटनी के किरदार रॉक्सी की बात करें तो वह बेकार और निरर्थक लगता है।

अश्विन के निर्देशन में चमके सहायक-कलाकार

राजेंद्र प्रसाद, पसुपति, शोभना और अन्ना बेन जैसे सहायक कलाकारों ने बेहतरीन अभिनय किया है, जिससे फिल्म में चार चांद लग गए हैं। एसएस राजामौली, राम गोपाल वर्मा, मृणाल ठाकुर, विजय देवरकोंडा और दुलकर सलमान की छोटी भूमिकाओं ने भी दर्शकों पर प्रभाव डाला।

लेखन और निर्देशन दोनों में चमके अश्विन

अश्विन ने लेखक और निर्देशक दोनों की भूमिका में शानदार काम किया। वह कलाकारों और क्रू की मदद से अपने दृष्टिकोण को पर्दे पर जीवंत करने में सफल रहे। निर्देशक का कहानी को भारतीय महाकाव्य महाभारत के क्लाइमेक्स से शुरू करके भविष्य से जोड़ने का विचार दिलचस्प लगता है। उनकी VFX टीम ने उनके दृष्टिकोण का शानदार ढंग से समर्थन करती है। अश्विन की फिल्म का क्लाइमैक्स बहुत रोमांचक है, जिसमें उनके लेखन और निर्देशन दोनों की क्षमता दिखती है।

फिल्म की जान है VFX

फिल्म का VFX आपको हर दृश्य में कमाल का अनुभव देगा। अश्विन और उनकी टीम ने इस तकनीक का इस्तेमाल करके फिल्म को दर्शनीय बनाया है। इसके ज्यादातर दृश्य हमें हॉलीवुड फिल्मों की याद दिलाएंगे। अश्वत्थामा और भैरव के बीच कल्काइमैक्स से पहले की लड़ाई इस फिल्म का दिल है। बेहतरीन VFX के साथ दृश्यों को शानदार ढंग से दिखाया गया है।

बेहतरीन है सिनेमैटोग्राफी

जोर्डजे स्टोजिलिकोविच की सिनेमैटोग्राफी बेहतरीन है। कोटा वेंकटेश्वर राव का संपादन अच्छा है, लेकिन इसे और बेहतर बनाया जा सकता था, खास तौर पर फिल्म के पहले घंटे में। अनावश्यक दृश्यों को काटकर फिल्म की गति और टाइम को घटाया जा सकता था।

राष्ट्रपति का 50 मिनट का अभिभाषण : सेनाओं में सुधार का दावा, अग्निवीर का नाम नहीं

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि सरकार पेपर लीक की घटनाओं की जांच कराने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके साथ राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में आपातकाल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि संविधान पर कई हमलों के बावजूद देश ने असंवैधानिक ताकतों पर विजय पाई है। 18वीं लोकसभा में पहली बार संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में पेपर लीक का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त उपाय कर रही है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सत्तापक्ष के सदस्य देर तक मेज थपथपाते दिखे, वहीं विपक्षी सदस्यों ने नीट-नीट के नारे लगाए। इससे सदन के अंदर शोर बढ़ गया और राष्ट्रपति को सदस्यों से अपनी बात सुनने के लिए आग्रह करना पड़ा। राष्ट्रपति के करीब 55 मिनट के अभिभाषण के दौरान सत्ता पक्ष के सदस्यों ने करीब 180 बार मेजें थपथपायीं तो विपक्षी सदस्यों ने भी पलटवार का कोई मौका नहीं गंवाया। दोनों ने नारों से एक-दूसरे पर तंज भी कसे। मुर्मु ने कहा कि सरकारी भर्ती हो या परीक्षाएं, किसी भी कारण से इनमें रुकावट उचित नहीं है। इसमें शुचिता और पारदर्शिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि इससे पहले कई राज्यों में भी पेपर लीक की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठने की भी नसीहत की।

सरकार पेपर लीक की जांच करेगी : राष्ट्रपति

'आपातकाल काला अध्याय'

राष्ट्रपति ने अभिभाषण के दौरान 1975 में लागू आपातकाल को संविधान पर सबसे बड़े हमला और काला अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि अनेक हमलों के बावजूद देश ने असंवैधानिक ताकतों पर विजय प्राप्त करके दिखाई है। भारत का संविधान बीते दशकों में हर कसौटी और चुनौती पर खरा उतरा है। उन्होंने कहा कि सरकार संविधान को सिर्फ राजकाज का माध्यम नहीं मानती, बल्कि उसकी कोशिश है कि संविधान हमारी चेतना का हिस्सा बने। इस बीच विपक्ष ने इस मुद्दे पर अपना विरोध दर्ज कराया।

'आधुनिक सैन्यबल जरूरी'

राष्ट्रपति ने कहा कि सशक्त भारत के लिए आधुनिक सैन्यबल जरूरी है। उन्होंने कहा कि युद्ध की स्थिति में हम सर्वश्रेष्ठ रहें, इसके लिए सेना में सुधार की प्रक्रिया लगातार जारी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कई सुधार किए हैं। राष्ट्रपति जब सैन्यबलों के आधुनिकीकरण का जिक्र कर रही थीं, उस वक्त विपक्षी सदस्यों ने अग्निवीर-अग्निवीर कहते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके जवाब में सत्तापक्ष के सदस्यों ने देर तक मेज थपथाई, ताकि विपक्षी सदस्यों की आवाज सुनाई न दे।

'गलत सूचनाओं के प्रति आगाह'

मुर्मु ने सदस्यों को गलत सूचनाओं के बारे में आगाह करते हुए कहा कि संचार क्रांति के युग में विघटनकारी ताकतें, लोकतंत्र को कमजोर करने और समाज में दरार डालने की साजिश रच रही हैं। यह ताकतें देश के भीतर और बाहर से भी संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को ऐसे ही बेरोकटोक नहीं चलने दिया जा सकता।

70 साल से अधिक के बुजुर्गों का मुफ्त इलाज

राष्ट्रपति ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार बड़ा निर्णय लेने जा रही है। उन्होंने कहा कि अब आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज का लाभ 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि अभी 55 करोड़ लाभार्थियों को आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध करवा रही है।

आने वाला समय हरित युग

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आने वाला समय हरित युग का है। सरकार हरित उद्योगों पर निवेश बढ़ा रही है। हरित ऊर्जा हो या फिर हरित मोबिलिटी, हम हर मोर्चे पर बड़े लक्ष्यों के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपने शहरों को रहने के लिहाज से बेहतरीन स्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

'पूर्वोत्तर को रणनीतिक गेटवे बनाने के लिए काम हो रहा'

अभिभाषण में राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर के विकास के लिए पिछले 10 वर्ष में आवंटन में चार गुना से अधिक की वृद्धि की है और वह इस क्षेत्र को एक्ट ईस्ट नीति के तहत रणनीतिक गेटवे बनाने के लिए काम कर रही है। पूर्वोत्तर में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, रोजगार, हर क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

'रिकॉर्ड मतदान से कश्मीर के दुश्मनों को जवाब'

संसदीय चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर में मतदान के कई रिकॉर्ड टूटने का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि घाटी ने देश के दुश्मनों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अब भारत के भूभाग जम्मू-कश्मीर में भी संविधान पूरी तरह लागू हो गया है, जहां संविधान के अनुच्छेद 370 की वजह से स्थितियां कुछ और थीं।

सीएए के तहत नागरिकता मिलना प्रारंभ

मुर्मु ने कहा कि सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत शरणार्थियों को नागरिकता देना शुरू कर दिया है और इससे अनेक परिवारों के लिए सम्मान का जीवन जीना तय हुआ है। उन्होंने कहा कि एक जुलाई से देश में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) भी लागू हो जाएगी। अब दंड की जगह न्याय को प्राथमिकता होगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर जोर

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार किसानों की खेती पर लागत कम करने और उनकी आय बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती और इससे जुड़े उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त कर रही है। गांवों में कृषि आधारित उद्योगों, डेयरी और मत्स्य पालन आधारित उद्योगों का विस्तार किया जा रहा है।

आईआईटी, आईआईएम की संख्या बढ़ाने के प्रयास

मुर्मु ने कहा कि सरकार आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे प्रतिष्ठानों को मजबूत करने और उनकी संख्या बढ़ाने पर विचार कर रही है। विगत 10 वर्षों में देश में सात नए आईआईटी, 16 आईआईआईटी, 7 आईआईएम, 15 नए एम्स, 315 मेडिकल कॉलेज और 390 विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं।

अभिभाषण की प्रति लोकसभा के पटल पर रखी गई

संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के संबोधन के बाद उनके अभिभाषण की प्रति लोकसभा के पटल पर रखी गई और फिर सदन की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद निचले सदन की कार्यवाही आरंभ हुई। इसके बाद बिरला ने दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में लोकसभा के कक्ष के उपयोग के लिए नियम में छूट दिए जाने का उल्लेख किया। फिर उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता देने के बारे में सदन को सूचित किया।

सुधारों की गति तेज करेगा बजट

राष्ट्रपति ने कहा कि नवगठित एनडीए सरकार का पहला बजट कई ऐतिहासिक कदम उठाने के साथ आर्थिक सुधारों की गति को तेज करेगा और भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सरकार की दूरगामी नीतियों की रूपरेखा पेश करेगा।

भारत तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार है और पिछले 10 साल में उड़ान मार्गों में वृद्धि से द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों को फायदा हुआ है। अप्रैल 2014 में केवल 209 विमानन मार्ग थे, जो अप्रैल 2024 तक बढ़कर 605 हो गए।

बुलेट ट्रेन गलियारों के लिए अध्ययन का फैसला

मुर्मु ने कहा कि सरकार ने उत्तर, दक्षिण और पूर्वी भारत में बुलेट ट्रेन गलियारों के लिए व्यवहार्यता अध्ययन शुरू करने का फैसला किया है। मेरी सरकार उन आधुनिक मानदंडों पर काम कर रही है, जिससे भारत विकसित देशों के सामने बराबरी से खड़ा हो सके।

महिलाओं का कौशल, कमाई के साधन बढ़े

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार चाहती है कि महिलाओं का कौशल, उनकी कमाई के साधन और उनका सम्मान बढ़े। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बीते 10 वर्ष में बने चार करोड़ मकानों में से ज्यादातर मकान महिलाओं के नाम ही आवंटित हुए हैं। बीते 10 वर्षों में 10 करोड़ महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को समर्थन के लिए तैयार : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के नेता दुष्यंत चौटाला ने गुरुवार को कहा कि राज्यसभा चुनाव में उनकी पार्टी कांग्रेस का समर्थन करने के लिए तैयार है। चौटाला ने हरियाणा में अगले विधानसभा चुनाव से पहले और बाद में सत्तारूढ़ भाजपा के साथ गठबंधन की सभी संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया। भाजपा ने हरियाणा में मार्च में मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया, जिसके बाद जजपा के साथ पिछले साढ़े चार वर्ष से जारी उसका गठबंधन टूट गया था। हाल में संपन्न हुए आम चुनावों में जजपा ने राज्य की सभी 10 लोकसभा सीट पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे एक भी सीट पर जीत हासिल नहीं हुई। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा के रोहतक लोकसभा सीट से विजयी होने के बाद संसद के उच्च सदन में यह सीट खाली हुई है।

गूगल इंडिया के खिलाफ दायर शिकायत खारिज

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल इंडिया के खिलाफ दायर शिकायत को खारिज कर दिया है, जिसमें कॉलर आईडी और स्पैम बचाव ऐप के बाजार में ट्रूकॉलर को लाभ पहुंचाने के लिए अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि गूगल की इस गतिविधि ने बाजार को विकृत कर दिया है और ट्रूकॉलर के लिए एकाधिकार की स्थिति पैदा हो गई है। दोनों की तरफ से रखी गई दलीलों की समीक्षा करने के बाद प्रतिस्पर्धा आयोग ने पाया कि शिकायतकर्ता के दावे निराधार थे।

तीन नए आपराधिक कानूनों को लेकर तैयारी जारी

एजेंसी । हैदराबाद

तेलंगाना ने तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने की प्रक्रिया चल रही है। तीन नए आपराधिक कानून 1 जुलाई से लागू होने जा रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि इन नए कानूनों की अनुवाद प्रक्रिया भी चल रही है और इसके भी 1 जुलाई से पहले पूरी होने की उम्मीद है।

लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए बनाई टीमें

अधिकारी ने बताया कि अधिसूचना का मसौदा तैयार है और अगले कुछ दिनों में नए कानूनों को अधिसूचित कर दिया जाएगा। नए कानूनों को सरकार की योजना के अनुसार लागू किया जाए, इसके लिए विभिन्न स्तरों पर टीमें गठित की गई हैं। पुलिस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं और तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी में आईपीएस अधिकारियों के लिए नए आपराधिक कानूनों पर एक वर्कशॉप भी आयोजित की गई और उन्हें नए कानूनों की भावना के बारे में भी बताया गया। उन्होंने कहा कि लोगों को प्रशिक्षित करने और सभी के लिए अध्ययन सामग्री तैयार करने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। नए कानूनों के लिए अभियोजकों की टीम ने एसओपी और दिशा-निर्देश तैयार किए हैं और उन्हें सभी फील्ड अधिकारियों के पास भेजा गया है।

नाबालिग से छेड़छाड़ का मामला

येदियुरप्पा के खिलाफ आरोप पत्र दायर

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोपों की जांच कर रहे अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने पॉक्सो मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत में गुरुवार को आरोप-पत्र दायर किया। इस साल मार्च में सदाशिवनगर पुलिस ने भाजपा के वरिष्ठ नेता के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया था। इसके बाद राज्य के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने इस मामले को आगे की जांच के लिए सीआईडी को सौंपने का आदेश जारी किया था।

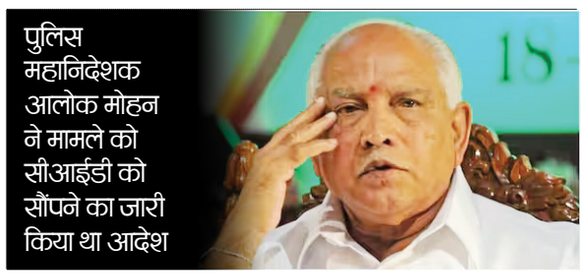

पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने मामले को सीआईडी को सौंपने का जारी किया था आदेश

क्या है पूरा मामला

मामला एक नाबालिग लड़की (17 वर्षीय) की मां के शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि येदियुरप्पा ने इस साल दो फरवरी को यहां डॉलर्स कॉलोनी में अपने आवास पर एक बैठक के दौरान उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की। हालांकि, येदियुरप्पा ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज किया और कहा कि वह उनके खिलाफ साजिश रचने वालों को सबक सिखाएंगे।

कोर्ट ने लगाई थी येदियुरप्पा की गिरफ्तारी पर रोक

येदियुरप्पा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाले महिला (54 वर्षीय) की फेफड़ों के कैंसर के कारण पिछले महीने यहां एक निजी अस्पताल में मौत हो गई थी। सीआईडी ने मामले में 17 जून को येदियुरप्पा से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की थी। इससे पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस मामले में सीआईडी को येदियुरप्पा को गिरफ्तार करने के रोकने का आदेश दिया था।

दिल्ली में NTA के दफ्तर में घुसे NSUI कार्यकर्ता

अंदर से लगाया ताला

नई दिल्ली। देशभर में राष्ट्रीय प्रवेश-सह पात्रता परीक्षा (NEET) के पेपर लीक और धांधली को लेकर विरोध-प्रदर्शन चल रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को दिल्ली स्थित राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) के दफ्तर में कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) के कार्यकर्ता घुस गए। कार्यकर्ताओं ने भवन के मुख्य गेट पर अंदर से ताला लगा लिया और नारेबाजी की। इस दौरान दफ्तर में मौजूद पुलिस उनको रोक नहीं पाई। कार्यकर्ताओं से पुलिस की झड़प भी हुई।

दिल्ली में चल रहा है लगातार प्रदर्शन

दिल्ली में पिछले कई दिनों से NEET पेपर लीक मामले में अलग-अलग छात्र संगठनों का प्रदर्शन चल रहा है। संगठन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। बुधवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) छात्र संघ के छात्रों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। उनके साथ अन्य संगठन भी शामिल हुए थे। छात्र संगठन रात भर प्रदर्शन का विचार कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर बाद में छोड़ दिया था।

कल्लाकुरुची जहरीली शराब त्रासदी: स्टालिन सरकार से की CBI जांच की मांग

भूख हड़ताल पर बैठे अन्नाद्रमुक विधायक

एजेंसी । चेन्नई

तमिलनाडु में उन्नाद्रमुक के नेताओं ने कल्लाकुरुची जहरीली शराब त्रासदी को लेकर राज्य सरकार द्रमुक की निंदा की। इस मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए अन्नाद्रमुक के कई नेता गुरुवार को भूख हड़ताल पर बैठ गए। दरअसल, जहरीली शराब पीने से अबतक 63 लोगों की मौत हो गई। अन्नाद्रमुक नेता एडप्पादी पलानीस्वामी समेत कई नेता इस भूख हड़ताल में शामिल हो रहे हैं। विधानसभा सत्र शुरू होने के बाद अन्नाद्रमुक ने सदन में कल्लाकुरुची जहरीली शराब त्रासदी को लेकर हंगामा किया। उन्होंने इस मामले में सीबीआई जांच के साथ मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के इस्तीफे की भी मांग की। सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए बुधवार को अन्नाद्रमुक को निलंबित करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

लोस अध्यक्ष के आपातकाल पर प्रस्ताव से कांग्रेस नाखुश

एजेंसी । नई दिल्ली

- राहुल गांधी ने की अध्यक्ष बिरला से मुलाकात, दर्ज कराई अपनी नाराजगी
- कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लिखा लोकसभा अध्यक्ष को पत्र

कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के संबोधन में आपातकाल के जिक्र पर नाराजगी जताई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर इस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। पार्टी का मानना है कि अध्यक्ष को राजनीतिक मुद्दों पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। इस बीच, इस मुद्दे पर पार्टी सांसद केसी वेणुगोपाल ने अध्यक्ष को पत्र भी लिखा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने समाजवादी पार्टी सांसद धर्मेंद्र यादव और तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी के साथ अध्यक्ष से मुलाकात की। यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि मुलाकात के दौरान राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष से आपातकाल पर पढ़े प्रस्ताव पर नाखुशी जताते हुए कहा कि आसन से यह नहीं होना चाहिए था।

संसद सत्र कार्यवाही में ले सकेंगे हिस्सा, राज्यसभा सचिवालय ने किया ऐलान

संजय सिंह का 11 महीने बाद निलंबन खत्म

एजेंसी । नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह का करीब 11 महीने का लंबा निलंबन 26 जून को खत्म कर दिया गया है। अब वह राज्यसभा की कार्यवाही में हिस्सा ले सकेंगे। राज्यसभा सचिवालय ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। संजय सिंह को पिछले साल मानसून सत्र के दौरान 24 जुलाई को अमर्यादित आचरण के चलते सदन से निलंबित कर दिया गया था।

इसके बाद मामले की जांच विशेषाधिकार समिति को सौंपी गई थी। राज्यसभा की तरफ से जारी बयान के अनुसार, विशेषाधिकार समिति ने 26 जून को इस मामले पर अपनी 77वीं तथा 78वीं रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। रिपोर्ट में समिति ने संजय सिंह को विशेषाधिकार हनन का दोषी माना लेकिन यह भी कहा कि संजय सिंह पहले ही निलंबन के रूप में इसकी पर्याप्त सजा पा चुके हैं। इसलिए उनका निलंबन खत्म कर दिया जाए। राज्यसभा के सभापति ने रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए संजय सिंह का निलंबन खत्म कर दिया। निलंबन खत्म होने पर संजय सिंह ने 'एक्स पर लिखा कि लगभग एक साल के बाद संसद में जाने की अनुमति मिली है। निलंबन खत्म हुआ। उन्होंने सभापति उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, विशेषाधिकार समिति के सभापति और सभी सदस्यों का आभार जताया।

सबसे लंबा निलंबन

मालूम हो कि संजय सिंह का राज्यसभा का पहला कार्यकाल इस साल जनवरी के आखिर में खत्म हो गया था। लेकिन वह पुनः दूसरे टर्म के लिए चुन लिए गए। उनका नया कार्यकाल शुरू होने के बावजूद उनका निलंबन जारी रहा। निलंबन के दौरान ही उन्होंने शपथ भी ली। संभवतः राज्यसभा के इतिहास में यह सबसे लंबा निलंबन है।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में चार अधिकारियों पर गिरी गाज

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के चार अधिकारियों पर पूर्व वरिष्ठ अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर कर एक आदेश जारी करने का आरोप लगा है। इस संबंध में नव नियुक्त निगम आयुक्त अश्विनी कुमार ने संज्ञान लेते हुए भवन निर्माण विभाग के चारों अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। निगम के करोलबाग जोन के उपायुक्त पद पर वर्ष 2021 के दौरान आईएएस अधिकारी हिमांशु गुप्ता कार्यरत थे। बुधवार को उनके फर्जी हस्ताक्षर कर एक आदेश जारी हुआ। मौजूदा समय में आईएएस हिमांशु गुप्ता केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के सचिव पद पर काम कर रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसी सूचना भी लोगों की शिकायतों के जरिए प्राप्त हुई है कि जमीन के उपयोग मामले में जानबूझकर कुछ स्थानों पर निशाना बनाया जाता है।

आज कश्मीर पहुंचेगा अमरनाथ तीर्थयात्रियों का पहला जत्था

जम्मू। अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो रही है। तीर्थयात्रियों का पहला जत्था शुक्रवार को कश्मीर पहुंचेगा। यहां से वे उत्तर कश्मीर बालटाल और दक्षिण कश्मीर अनंतनाग बेस कैंप जाएंगे। शुक्रवार को सुरक्षा काफिले के साथ सभी तीर्थयात्री घाटी के लिए रवाना होंगे और शनिवार (29 जून) को अमरनाथ के दर्शन करेंगे। अमरनाथ यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की शुरुआत बुधवार से हो गई है। जम्मू के SDM ने बताया कि सरस्वती धाम सेंटर से ऑफलाइन टोकन दिया जा रहा है। यात्रा की शुरुआत से पहले ही साधु-संत जम्मू पहुंचने लगे हैं।

बालटाल-अनंतनाग बेस कैंप में रुकेंगे यात्री, 29 जून को बाबा बर्फानी के करेंगे दर्शन

इन जगहों पर लगे 10 हाई एंड CCTV कैमरे

एसएसपी ट्रैफिक नेशनल हाईवे रोहित बसकोत्रा के मुताबिक ट्रैफिक पर निगरानी के लिए उधमपुर से बनिहाल तक 10 हाई-एंड कैमरे लगाए हैं। इनमें उधमपुर के जाखनी क्षेत्र, दलवास, खोनी नाला, मेहर, बैटरी वश्मा, नचलाना, बनिहाल चौक, सुरंग-5, शालीगढ़ी और कटपॉइंट जैसे स्पॉट शामिल हैं। यातायात पुलिस ने अमरनाथ यात्रा के दौरान नेशनल हाईवे पर आने-जाने वाले वाहन चालकों के लिए एक सलाह भी जारी की है, जिसमें लेन ड्राइविंग पर जोर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने पर बड़ा जुर्माना लगाया जाएगा।